संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 305
पृष्ठ 8
शनिवार
25 जुलाई 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– तेल और सीरम बालों के लिए...

विचार– बढ़ता तापमान प्रभावित जीवन!

खेल– दिग्गज विश्वनाथन आनंद बने फिडे...

जनता दर्शन : सीएम योगी आदित्यनाथ बोले

मत करें चिंता, सबकी समस्या पर होगी प्रभावी कार्रवाई

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन, शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर उन्होंने समस्या–शिकायत लेकर आए लोगों को भरोसा देते हुए कहा, 'चिंता मत करें सबकी समस्या पर प्रभावी कार्रवाई कराई जाएगी।' मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि यहां आईं शिकायतों का निस्तारण और समस्याओं का समाधान शीघ्रता से कराया जाए। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 150 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना, उनके प्रार्थना पत्र लिए। उन्होंने पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। अलग–अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण निष्पक्ष और समयबद्ध होना चाहिए। अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके साथ ही इलाज के लिए आर्थिक मदद से जुड़े प्रार्थना पत्रों पर उन्होंने अस्पतालों के इस्टीमेट की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने को कहा।

पेपर लीक के खिलाफ सरकार का नया कठोर कानून, कैबिनेट की मुहर

दस साल की सजा, दस करोड़ जुर्माना

नई दिल्ली,एजेंसी। शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में पेपर लीक विधेयक संसोधन को मंजूरी दे दी गई है. जिसमें पेपर लीक माफियाओं के खिलाफ कड़े प्रावधान होंगे. इसमें स्पेशल फॉस्ट ट्रैक कोर्ट को लीगल बैकिग मिलेगी. साथ ही फास्ट ट्रैक कोर्ट को तीन महीनों में सुनवाई करने और फैसला देने को कहा जाएगा. जबकि पेपर लीक मामले में 10 साल की सजा और 10 करोड़ के जुर्माना का प्रावधान होगा. पेपर लीक संसोधन विधायक अगले हफ्ते ही संसद में पेश किया जाएगा. बताया जा रहा है कि इसे सोमवार के दिन ही सदन में पेश किया जाएगा. इससे पहले गुरुवार को पीएम मोदी पेपर लीक से जुड़े मुद्दो को लेकर वीडियो शेयर किया था. जिसमें उन्होंने कहा श्पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है. लाखों छात्रों, उनके माता–पिता के लिए पीड़ादायक है. इसलिए पेपर लीक से अब तक, पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं. गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं. हमारी जिम्मेदारी थी कि छात्रों का साल बर्बाद न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों का एग्जाम कराया.19 जुलाई को रिजल्ट भी आ गया. हम इतने से संतोष करने वाले नहीं हैं। इसलिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का निर्देश दिया है. सरकार का कहना है कि कानून बनाकर इन अदालतों के गठन की प्रक्रिया होगी. पेपर लीक के मामलों की सुनवाई अधिकतम तीन समय के अंतराल में इन अदालतों में पूरी कराई जाएगी। इसे 27 जुलाई को सदन में लाया जा सकता है. इससे पहले शुक्रवार को भी दोनों सदनों में पेपर लीक मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ था. जिसके बाद लोकसभा और राज्यसभा की कार्रवाई रविवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है.

इसके अलावा केंद्र सरकार ने गुरुवार को शिक्षा विभाग में बड़ा फेरबदल भी किया था. जहां नरेश पाल गंगवार को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग का सचिव नियुक्त किया गया था. वह 1994 बैच के राजस्थान कैडर के पी अधिकारी हैं, जो वर्तमान सचिव विनीत जोशी की जगह लेंगे.

इससे पहले पीएम मोदी ने गुरुवार को ही सुबह पेपर लीक केस में फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का ऐलान भी किया था. जिसमें तुरंत संबंधित विभागीय अधिकारियों को एक्शन लेने के निर्देश दिए थे. नीट पेपर लीक के खिलाफ सोनम वांगचुक पिछले 26 दिनों से अनशन पर थे. जिसे उन्होंने गुरुवार को खत्म कर दिया था. जबकि कॉकरोच जनता पार्टी भी इस मुद्दे पर पिछले एक महीने से दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रही है।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लेकर संसद आइएगा

मल्लिकार्जुन खरगे बोले– नहीं चलेगी `मन की बात'

नयी दिल्ली,एजेंसी। छात्रों पर लाठीचार्ज और नीट पेपर लीक को लेकर कांग्रेस सरकार पर आक्रामक मोड में है। गुरवार देर रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक वीडिो संदेश जारी करते हुए कहा कि शुक्रवार को होनी वाली कैबिनेट की बैठक में पेपर लीक से संबंधित कड़े कदम उठाए जाएंगे। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने साफ कह दिया है कि प्रधानमंत्री आज धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करके संसद आएं, तभी इस मामले पर चर्चा होगी। उन्होंने उनके सेल्फी वाले वीडियो मेसेज पर तंज कसते हुए कहा कि इस तरह से एकतरफा मन की बात अब नहीं चलेगी। खरगे ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर कहा, जब संसद चल रही होती है तो प्रधानमंत्री को संसद के पटल पर बयान देना होता है, देर रात एक वीडियो बनाकर, संसद के बाहर एकतरफा "मन की बात" नहीं करनी होती। आज संसद में आने से पहले, धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त कर के आइएगा। पहले छात्रों से माफी मांगिए और जिन्होंने लाठी–डंडे–पेलेट गन का इस्तेमाल छात्रों की आवाज दबाने के लिए करवाया है उन पर कड़ी कार्रवाई कीजिए। फिर हम शिक्षा व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा के लिए तैयार हैं।

कांग्रेस ने कहा कि हताश दिख रहे प्रधानमंत्री ने आखिरकार वीडियो संदेश के जरिए प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ी।

केजरीवाल का पीएम पर फिर तीखा, हमला फास्ट ट्रैक कोर्ट का ड्रामा क्यों ?

दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोनम वांगचुक के अनशन तोड़ने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वांगचुक का जीवन और स्वास्थ्य देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। केजरीवाल ने सीजेपी के आज देश भर में घोषित विरोध प्रदर्शन में सभी से भाग लेने का आग्रह किया। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पेपर लीक मामलों को लेकर तीखा हमला बोला है। एक्स पर एक वीडियो साझा कर अपनी बात रखी। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री के फास्ट–ट्रैक कोर्ट बनाने के एलान को खोखला बताया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की नीयत में खोट है। यह बयान 2024 नीट पेपर लीक के मास्टरमाइंड को सीबीआई द्वारा बेगुनाह करार दिए जाने के बाद आया है। केजरीवाल ने सवाल उठाया कि अगर जांच में सबूत ही नहीं पेश करने हैं, तो फास्ट–ट्रैक कोर्ट का यह नाटक क्यों? प्रधानमंत्री ने बीती रात 12 बजे यह घोषणा की थी। अरविंद केजरीवाल ने सोनम वांगचुक के अनशन खत्म करने के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक का जीवन और स्वास्थ्य देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सीजेपी ने आज पूरे देश में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

अलंकरण समारोह

शहर समता विचार मंच, प्रयागराज

(शहर समता समूह द्वारा संचालित)

महिला श्री साहित्य साधना सम्मान 2026

अध्यक्षता - प्रो रवि कुमार मिश्र
मुख्य अतिथि - श्री रंजन पाण्डेय
विशिष्ट अतिथि - श्री संजय सक्सेना

स्थान - शहर समता कार्यालय कर्नलगंज थाने के पीछे
25 जुलाई दिन शनिवार शाम 4बजे

साहित्यिक संयोजक
रचना सक्सेना

कार्यक्रम संयोजक
डॉ प्रदीप चित्रांशी
अरविन्द पाण्डेय

संस्थापक /सचिव
उमेश श्रीवास्तव

पोल वॉल्ट में देश की नुमाइंदगी करेंगे मऊआइमा के कुलदीप

प्रयागराज। मऊआइमा की मिट्टी से निकली पोल वॉल्ट की परंपरा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर परचम लहराने के लिए तैयार है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में बृहस्पतिवार से शुरू हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के पोल वॉल्ट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए कुलदीप यादव व देवमीना को बुधवार देर रात कोच घनश्याम यादव ने रवाना किया। अलावलपुर गांव निवासी कुलदीप यादव ने इस वर्ष घरेलू सर्किट में शानदार प्रदर्शन किया है। कुलदीप कुमार ने गत मई में रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित 29वें नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कप में राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालिफाई किया था। उन्होंने फेडरेशन कप में 5.45 मीटर ऊंची छलांग लगाकर देवमीना के साथ संयुक्त राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। कोच घनश्याम यादव ने बताया कि कॉमनवेल्थ गेम में कुलदीप व देवमीना दोनों मेडल जीतने में सक्षम हैं, लेकिन असली लक्ष्य इन्हें 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए तैयार करना है। उन्होंने बताया कि रनवे स्पीड, तकनीक और स्पोर्ट्स साइंस पर विशेष मेहनत की जा रही है। भोपाल एकेडमी की आधुनिक सुविधाओं और प्रतिस्पर्धी माहौल ने दोनों को टॉप लेवल का एथलीट बनाया है।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

प्रयागराज। रानीगंज चौराहा पर जंतर–मंतर पर आंदोलनरत छात्रों पर पुलिस की आरे से किए गए लाठीचार्ज के विरोध में बृहस्पतिवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत ग्रुट) के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंकते हुए उनके इस्तीफे एवं बर्खास्तगी की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग करना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं का समाधान वार्ता के माध्यम से किया जाना चाहिए, न कि लाठीचार्ज से। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छात्रों के साथ हुई घटना पर उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रखेगा। मौके पर सुरेंद्र सिंह, राजेश्वर सिंह, यतेंद्र सिंह,, मान बहादुर सिंह, कन्हैया लाल सिंह, चंद्रपाल सिंह, प्रभास सिंह, संतोष सिंह, दीपू सिंह, विजय बहादुर सिंह आदि रहे। इधर, करछना में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। मौके पर ध्रुवराज सिंह, विकास तिवारी, अजय कुमार, दिलीप कुमार, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

नजरबंदी से छूटने पर कांग्रेसियों ने सिकंदरा में किया प्रदर्शन

प्रयागराज। सिकंदरा में नजरबंदी से छूटने के बाद कांग्रेसियों ने बृहस्पतिवार को पैदल मार्च निकाल विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस से उनकी नोकझोंक हो गई। पुलिस ने किसी तरह समझाकर शांत कराया और फिर से सभी लोगों को नजरबंद कर दिया। शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को प्रदर्शन के लिए सिकंदरा से दिल्ली कूच कर रहे कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर नजरबंद कर दिया था। इससे आक्रोशित होकर बृहस्पतिवार को कांग्रेस गंगापार जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में पदयात्रा निकालकर प्रदर्शन किया और सरकार विरोधी नारे लगाए। पदयात्रा की अध्यक्षता कर रहे अशफाक अहमद ने सरकार की तानाशाही नीतियों पर तीखा प्रहार किया। जिलाध्यक्ष ने कहा का धांधली के जिम्मेदार शिक्षामंत्री को तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना ही होगा। मौके पर निशा सिंह, मंजू मौर्या, सुनील पांडेय, समशुल कमर, डॉ.अमर सिंह पटेल, अफजाल अहमद, रितेश पासी आदि रहे।

सारी पट्टी गांव में सपा के पूर्व जिला पंचायत सदस्य विकास निगम पासी के नेतृत्व में दादूपुर–करनाईपुर संपर्क मार्ग पर प्रदर्शन और जुलूस प्रस्तावित था। पुलिस ने बिना अनुमति प्रदर्शन करने पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य सहित श्याम सिंह यादव समेत कई सपा कार्यकर्ताओं को उन्हें नजरबंद कर दिया। विकास निगम ने बताया कि जंतर–मंतर पर चल रहे धरना–प्रदर्शन के समर्थन में क्षेत्र में जुलूस निकाला जाना था, लेकिन कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही पुलिस ने उन्हें नजरबंद कर दिया। बहरिया थाना प्रभारी मानवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बिना अनुमति प्रदर्शन करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पुलिया ध्वस्त होने से राहगीर परेशान

प्रयागराज। दिघिया–ढिलिया मार्ग पर बरहा कला नाले की जर्जर पुलिया बीते 29 मई को ढह गई, जिससे ढिलिया, मसौली, चपरलता, जफरा, ढेबरा समेत आसपास के गांवों का संपर्क टूट गया। महीनों से मरम्मत की गुहार के बावजूद जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते मरम्मत नहीं हो सकी है। पुलिया टूटने से सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को झेलनी पड़ रही है। छात्र अब जान जोखिम में डालकर नाले से होकर स्कूल पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों में मनोज यादव व रोशन लाल ने चेतावनी दी है कि बरसात में बड़ा हादसा हो सकता है। पीडब्ल्यूडी के जेई सत्यवीर सिंह ने बताया कि निर्माण की कार्ययोजना तैयार है और जल्द ही पुलिया का निर्माण शुरू कराया जाएगा, ताकि आवागमन बहाल हो सके।

दो बाइक की टक्कर में एक की मौत

प्रयागराज। मांडा रोड मार्ग पर स्थित सेमरी बाघराय गांव में बाइक की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। शहाबुद्दीन (22) पुत्र सरफराज निवासी कोसफरा बृहस्पतिवार शाम करीब पांच बजे बाइक से मांडा की ओर जा रहा था। जैसे ही वह सेमरी बाघराय गांव में पहुंचा कि दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में शहाबुद्दीन और इरफान पुत्र मुमताज सड़क पर गिर गए। जबकि टक्कर मारने वाला बाइक सवार भाग निकला। आसपास के लोगों ने जानकारी एंबुलेंस सहित पुलिस को दी। जिस पर दोनों को सीएचसी कोरांव ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने शहाबुद्दीन को मृत घोषित कर दिया जबकि इरफान को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मृतक पांच भाइयों में सबसे छोटा था।

संपर्क मार्ग के गड्ढों से हादसे का खतरा

प्रयागराज। बहरिया क्षेत्र के बादलपुर–कहली संपर्क मार्ग पर जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए करीब पांच फीट गहरा और बीस फीट लंबा गड्ढा खोदा गया था। कई दिन बीतने के बाद भी गड्ढा नहीं भरा गया, जिससे आवागमन प्रभावित है। पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा होने के बाद भी गड्ढा खुला छोड़ दिया गया है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बना हुआ है। ग्रामीण कलीमुद्दीन और रमेश कुमार ने बताया कि पाइपलाइन डालने के बाद संबंधित विभाग ने गड्ढा नहीं भरवाया। रात में गड्ढा दिखाई नहीं देता, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से जल्द गड्ढा भरवाकर मार्ग सुरक्षित कराने की मांग की है।

अतीक अहमद और अशरफ की 345 करोड़ की अवैध संपत्ति जब्त, जल्द होगा ध्वस्तीकरण

प्रयागराज। जिला प्रशासन ने अतीक अहमद, अशरफ और करीबी रिश्तेदारों के नाम 345 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त कर ली है। इसमें विभिन्न बैंक खातों में जमा संपत्ति भी शामिल है।

जिला प्रशासन ने अतीक अहमद, अशरफ और करीबी रिश्तेदारों के नाम 345 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त कर ली है। इसमें विभिन्न बैंक खातों में जमा संपत्ति भी शामिल है। प्रशासन ने अतीक की प्रयागराज समेत कौशाम्बी और लखनऊ में 18 अवैध संपत्तियां जब्त की हैं। इनमें जमीन व मकान से लेकर चारपहिया वाहन तक शामिल हैं। अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन के नाम पर भी कई संपत्तियों को जब्त किया गया है। इन संपत्तियों के तहत जब्त किए गए मकानों को ध्वस्त किया जाएगा।

सबसे महंगी संपत्ति फूलपुर तहसील स्थित झूंसी के हवेलिया में जब्त की गई है। इसकी अनुमानित मूल्य एक अरब 23 करोड़ 28 लाख 40 हजार रुपये है। यह भूखंड अतीक के पिता हाजी फिरोज अहमद, भाई उस्मान अहमद और फिरोज अहमद के नाम पर है। वहीं, अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन के नाम पर फूलपुर तहसील स्थित झूंसी ग्राम कटका में पांच करोड़ और तहसील सदर के अकबरपुर मिर्जापुर में 76 करोड़ की अनुमानित मूल्य की संपत्ति जब्त की गई है।

लखनऊ के ग्राम भैसोरा में अतीक की अवैध संपत्तियों के रूप में 30.60 करोड़ रुपये के अनुमानित मूल्य की जमीन, वी. विनजयंत नगर गोममती नगर में 300 वर्ग मीटर वाला चार

करोड़ रुपये के मूल्य का मकान व फैजुल्लाबाद वार्ड के शेरवानी नगर में आठ करोड़ के अनुमानित मूल्य का मकान जब्त किया गया है। इसके अलावा अतीक के विभिन्न बैंकों के 13 खातों में जमा एक अरब 13 करोड़ 61 लाख 87 हजार 682 रुपये की संपत्ति जब्त की गई है।

वरिष्ठ अफसरों को सौंपी गई निगरानी की जिम्मेदारी

जब्त की गई जमीन और मकान पर किसी तरह की तोड़फोड़ या नया निर्माण न हो, इसकी खरीद–फरोख्त न हो, इसके लिए डीएम ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ऋषि राज, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, एडीएम नजूल संजय पांडेय, एडीएम सिटी सत्यम मिश्र, एडीएम एफआर विनीता सिंह व सभी संबंधित एसडीएम को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी है।

जब्त की गईं अन्य संपत्तियों का विवरण

– चकिया, ओम प्रकाश सभासद नगर, कालिंदीपुरम, महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाइंस, कर्बला में मकानों के रूप में 17.46 करोड़ की संपत्ति।

– चकिया, सुल्तानपुर भावा, करेली गौस नगर, करेली स्कीम एवं करेली ग्राम आवास योजना में 19.56 करोड़ के अनुमानित मूल्य के मकान।

– नीम सराय व नीम सराय आवास योजना में 60.720 लाख रुपये के अनुमानित मूल्य के मकान।

– तहसील फूलपुर स्थित झूंसी के कटका गांव में चार करोड़ रुपये के अनुमानित मूल्य की जमीन।

– तहसील सदर स्थित नसीरपुर सिलना गांव में 2.15 करोड़ के अनुमानित मूल्य की जमीन।

– तहसील सदर के ऐनुद्दीनपुर में 9.96 करोड़ रुपये के अनुमानित मूल्य की जमीन।

– कौशाम्बी में तहसील चायल स्थित रसूलाबाद उर्फ कोइलहा में 24 करोड़ के अनुमानित मूल्य की जमीन।

– तहसील सदर स्थित कसारी मसारी में 6.60 करोड़ की जमीन।

प्रयागराज, लखनऊ व कौशाम्बी में अतीक अहमद, उसके भाई, पत्नी व अन्य करीबी रिश्तेदारों के तीन 345 करोड़ की अवैध संपत्ति जब्त की गई है। संपत्तियों की निगरानी की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी गई है। – मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी

यूपी में 62 हजार सरकारी नौकरियों की तैयारी, TGT-PGT समेत कई भर्तियां जल्द

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने वर्ष 2026 में करीब 62 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया तेज कर दी है। दिसंबर तक बड़े पैमाने पर नियुक्तियां होने की उम्मीद है। टीजीटी, पीजीटी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एलटी ग्रेड, प्रधानाचार्य और राजकीय इंटर कॉलेजों के हजारों पदों पर भर्ती से लाखों अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग वर्ष 2026 में भर्तियां करने जा रहे हैं। दिसंबर तक लगभग 62 हजार युवाओं को नौकरी मिलने की संभावना है। चुनावी वर्ष में दोनों आयोगों का लक्ष्य अप्रैल–दिसंबर 2026 के बीच एक लाख पदों पर भर्ती पूरी करना है। शिक्षा चयन आयोग ने एडेड महाविद्यालयों में 111 प्राचार्य पदों पर भर्ती विज्ञापन जारी किया है। असिस्टेंट प्रोफेसर के 2107 पदों का विज्ञापन जुलाई के अंतिम सप्ताह में आने की तैयारी है।

एडेड माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक व प्रधानाचार्य के 2643 पदों का अधियाचन अपलोड हो चुका है।

टीजीटी, पीजीटी और संलग्न प्राइमरी के 21252 पदों का अधियाचन भी अपलोड है। आयोग ने हाल ही में टीजीटी के 3539 और पीजीटी के 624 पदों पर भर्ती पूर्ण की है। लोक सेवा आयोग ने प्रवक्ता के 1518 पदों पर चयन प्रक्रिया पूरी की है। राजकीय महाविद्यालयों में सहायक आचार्य के 1253 और एलटी ग्रेड के 7466 सहायक अध्यापक पदों पर चयन हुआ है। वहीं, राजकीय इंटर कॉलेजों के 8905 पदों का अधियाचन आयोग को भेजा गया है।

विभिन्न विभागों में भर्तियां

बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र तिवारी के अनुसार, नगर क्षेत्र में 11 हजार शिक्षकों की भर्ती का अधियाचन आयोग को ऑफलाइन भेजा गया है।

बेसिक शिक्षा के एडेड स्कूलों में वर्ष 2021 की भर्ती में 65 प्रधानाध्यापक और करीब 450 सहायक अध्यापक नियुक्त हुए हैं। एडी माध्यमिक कामता राम पाल ने बताया कि उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से शिक्षा निदेशालय प्रयागराज के लिए 131 कनिष्ठ लिपिक और 25 आशुलिपिक की भर्ती अंतिम चरण में है।

आगामी भर्ती योजनाएं

61999 पदों के अतिरिक्त, बेसिक शिक्षा परिषद ग्रामीण अंचल में करीब 35 हजार शिक्षकों का अधियाचन भेजने की तैयारी में है। दो हजार अनुदेशक पदों पर भी भर्ती होगी। अल्पसंख्यक महाविद्यालयों में करीब 150 और माध्यमिक अल्पसंख्यक विद्यालयों में 300 पदों के लिए अधियाचन सितंबर–अक्तूबर तक भेजा जा सकता है।

अजय राय बोले- मोदी ने हर बार झूठ बोलकर जनता का ठगा, जनता बहकावे में आने वाली नहीं

प्रयागराज। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पीएम मोदी पर से छात्रों और नौजवानों का विश्वास पूरी तरह से उठ चुका है। जंतर मंतर का आंदोलन खत्म नहीं होगा जब तक धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता और पीएम मोदी को बर्खास्त नहीं कर दिया जाता।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पीएम मोदी पर से छात्रों और नौजवानों का विश्वास पूरी तरह से उठ चुका है। जंतर मंतर का आंदोलन खत्म नहीं होगा जब तक धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता और पीएम मोदी को बर्खास्त नहीं कर दिया जाता। इससे कम पर कोई समझौता नहीं है। यह छात्रों और नौजवानों के भविष्य का सवाल है। शुक्रवार इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे अजय राय ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। नोटबंदी के समय भी पीएम ने भावुक अपील करके जनता को गुमराह कर दिया था और 50 दिन की मोहलत मांगी थी। आज भी अपील करके लोगों को बहकाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जनता बहकावे में आने वाली नहीं है। दिल्ली में चल रहा आंदोलन किसी पार्टी का किसी व्यक्ति का नहीं बल्कि देश के बच्चों का है, जिनका भविष्य बर्बाद हो रहा है। अब तक 152 पर्चे लीक हो चुके हैं। पंजाब में पेपर लीक पर कहा कि आम आदमी पार्टी भी भाजपा की दलाल है। कहा कि केंद्र सरकार के ईशारे पर पुलिस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अपमानित करने का कार्य किया।

सलीम शेरवानी बोले- पीएम मोदी की बातों पर किसी को भरोसा नहीं रहा, धर्मेंद्र प्रधान से ले लेना चाहिए इस्तीफा

प्रयागराज। युवाओं ने बहुत तकलीफ उठाने के बाद आंदोलन का फैसला किया। भाजपा ने बड़ी–बड़ी बात करके सत्ता में आई। एक छोटी की मांग को लेकर छात्र धरने पर हैं। शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तो ले नहीं पा रहे हैं फॉस्ट ट्रैक कोर्ट क्या करेंगे।

युवाओं ने बहुत तकलीफ उठाने के बाद आंदोलन का फैसला किया। भाजपा ने बड़ी–बड़ी बात करके सत्ता में आई। एक छोटी की मांग को लेकर छात्र धरने पर हैं। शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तो ले नहीं पा रहे हैं फॉस्ट ट्रैक कोर्ट क्या करेंगे। 22 बच्चों ने जान दे दी। जंतर मंतर पर भी दो बच्चे शहीद हुए। समाजवादी पार्टी युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम शेरवानी ने प्रयागराज में कहा कि यह आंदोलन खत्म होने वाला नहीं है। छात्रों की मांग जायज है। पूरे देश के हर धर्म और संप्रदाय के लोग वहां मिलकर आंदोलन कर रहे हैं।

बीएसए के निरीक्षण में गैरहाजिर मिले शिक्षक, नोटिस

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने ब्लॉक क्षेत्र के आठ परिषदीय विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान कई शिक्षक अनुपस्थित मिले, जिस पर बीएसए ने कड़ी नाराजगी जताते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बीएसए के अनुसार प्राथमिक विद्यालय कुशालपुर में प्रधानाध्यापक रोहित

कुमार गैरहाजिर पाए गए। इसी प्रकार प्राथमिक विद्यालय भरारी में प्रधानाध्यापक नीलम, शिक्षक अनिल कुमार और शिक्षा मित्र नीलू द्विवेदी अनुपस्थित मिले। प्राथमिक विद्यालय उंचडीह में प्रधानाध्यापक राजदेव सिंह तथा पियरी स्थित परिषदीय विद्यालय में शिक्षक पंकज कुमार और अच्छे कुमार सिंह गैरहाजिर रहे।

प्राथमिक विद्यालय बखार की शिक्षिका वंदना बनारसी, पूरा दक्षिण की प्रधानाध्यापक रीता पटेल, सिरवाल की प्रधानाध्यापक रहीवा कमर व शिक्षा मित्र पुष्पा देवी, झरवनिया के प्रवीण कुमार व शिक्षा मित्र सरिकल, केडवर स्कूल के शैलेंद्र कुमार और बेरी स्कूल के शिक्षक नवीन प्रकाश भी निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि सभी अनुपस्थित शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में टकटैया रही विजेता

प्रयागराज। विकास खंड करछना की ब्लॉक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता मंगलवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय डीहा में संपन्न हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी शैलपति यादव ने किया। कबड्डी में बालक और बालिका दोनों वर्गों में कंपोजिट विद्यालय टकटैया विजेता रही, कंपोजिट विद्यालय

करेहा उपविजेता रहा। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करते हैं। शिक्षा के साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन जरूरी है। ब्लॉक व्यायाम शिक्षक कीर्ति प्रकाश मिश्र के निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिता में कबड्डी, खो–खो, दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक और तैराकी सहित विभिन्न स्पर्धाओं में छात्र–छात्राओं ने दमखम दिखाया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर साइकिल सवार की मौत

प्रयागराज। थरवई क्षेत्र के सहसों–फाफामऊ मार्ग पर ललचहां गांव के सामने बुधवार देर रात हुए सड़क हादसे में साइकिल सवार की मौत हो गई।हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कांदी गांव निवासी जितेंद्र सिंह पटेल उर्फ करेंटे (56) बुधवार देर रात सहसों से दुध बांटकर साइकिल से अपने घर लौट रहा था। वह सहसों–फाफामऊ मार्ग पर ललचहां स्थित दुर्गा मंदिर के सामने पहुंचा कि सहसों की ओर से फाफामऊ जा रहे एक अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर एंबुलेंस से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

टोंस नदी में वृद्ध की डूबने से मौत

प्रयागराज। इसौटा गांव में बृहस्पतिवार सुबह टोंस नदी में स्नान करने गए 70 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति का पैर फिसल जाने के कारण वे गहरे पानी में चले गए, जिससे उनकी डूबने से मौत हो गई। इसौटा निवासी राममणि निषाद सुबह करीब 10 बजे स्नान करने के लिए इसौटा घाट गए थे। स्नान करते समय उनका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चले गए। इस दौरान डूबने से उनकी मौत हो गई। थोड़ी दूरी पर जब उतराता शव देखा तो उन्होंने परिजनों को घटना की जानकारी दी। उनकी पत्नी का निधन हो चुका है।

प्रयागराज के सुधीर सिन्हा बने संस्कार सेना के राष्ट्रीय महा सचिव

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 20जुलाई को राष्ट्रीय संस्कार सेना को नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई,जिसमें भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय स्तर से लेकर जिला स्तर के पदाधिकारियों की संस्कार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व संस्थापक हर भजन जांगड़े ने घोषणा की।वहीं प्रयागराज के सुधीर सिन्हा को राष्ट्रीय महासचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।इस घोषणा के बाद संस्था के राष्ट्रीय संयोजक जगदीश मीणा ,उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष पीके श्रीवास्तव सहित समस्त पदाधिकारियों ने सुधीर सिन्हा की बधाई दी। वहीं सुधीर सिन्हा ने संस्था के प्रति पूरी लगन और निष्ठा के साथ कार्य करने की वचनबद्धता दोहराई। संस्था में माता पिता के सम्मान में यूपी, एमपी, राजस्थान, पंजाब, लुधियाना, मुंबई, उत्तराखंड, दिल्ली, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, कोटा, ग्वालियर, झालावाड़ सहित अन्य प्रदेशों से समर्पित वर्षों से जुड़े संस्था के कई पदाधिकारियों को यथावत अपने पदों पर नियुक्त किया गया तो कई को पदोन्नति कर नवीन पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई।संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष और संस्थापक हर भजन जांगड़े,राष्ट्रीय मुख्य सचिव अलका ध्रुवे ने श्री सिन्हा को बधाई देते हुवे पूरी कर्तव्य निष्ठा से पालन करते हुवे माता पिता के प्रति समर्पित राष्ट्रीय स्तर की संस्था के विचारों को जन जन तक पहुंचाने की अपील की है।

ज्वाइंट कमिश्नर मनरेगा संजय कुमार पाण्डेय निलम्बित

लखनऊ (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शासन, ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संजय कुमार पाण्डेय संयुक्त आयुक्त मनरेगा ग्राम्य विकास को उन्नाव में उपायुक्त स्वतः रोजगार राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के पद पर तैनाती की अवधि में की गयी वित्तीय अनियमितता के लिए प्रथम दृष्ट्या दोषी होने व उनके द्वारा लोकपालों का कार्यकाल 15 मार्च 2026 को पूर्ण होने के पश्चात उनका कार्यकाल विस्तार,नवीनीकरण के संबंध में कोई प्रस्ताव,पत्रावली प्रस्तुत नहीं करने, तथा संबंधित विशेषज्ञ के ऊपर कोई कार्यवाही नहीं करने, भारत सरकार के निर्देशों एवं शासनादेश का उल्लंघन करने, मनरेगा के विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर कोई उचित पर्यवेक्षण कार्यवाही नहीं करन के कारण तात्कालिक प्रभाव से निलम्बित किया गया है।निलम्बन की अवधि में संजय कुमार पाण्डेय, संयुक्त आयुक्त मनरेगा ग्राम्य विकास कार्यालय आयुक्त ग्राम्य विकास से सम्बद्ध रहेंगे। संजय कुमार पाण्डेय के विरूद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक अनुशासन एवं अपील नियमावली–1999 के नियम–7 अन्तर्गत अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित करते हुये आयुक्त लखनऊ मण्डल लखनऊ को जांच अधिकारी नामित किया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि संजय कुमार पाण्डेय, संयुक्त आयुक्त मनरेगा ग्राम्य विकास विभाग के विरूद्ध आरोप पत्र गठित कर पृथक से प्रेषित किया जायेगा।

20 साल के युवक ने दी जान,कमरे में फंदे से लटका मिला शव

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज में शुक्रवार सुबह एक 20 साल के युवक ने अपने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में शोक छा गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान उतरगांव निवासी कमलेश लोधी (20) पुत्र स्व. नरेंद्र कुमार के रूप में हुई है। कमलेश ने घर की छत पर लगी लोहे की रॉड में गमछे का फंदा बनाकर यह कदम उठाया। सुबह करीब 9 बजे घटना की जानकारी मिलने पर मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। कमलेश मजदूरी करके अपने परिवार का सहारा था। वह अपने परिवार में सबसे छोटा था। उसके बड़े भाई कुलराज कुमार, प्रदीप कुमार और कुलदीप कुमार हैं। उसकी मां का नाम ननकई है, जबकि उसकी बहनें सुमन और सुशीला शादीशुदा हैं। कमलेश के पिता का निधन पहले ही हो चुका था। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है। कमलेश द्वारा आत्महत्या किए जाने की वजह अभी भी एक रहस्य बनी हुई है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि कोई सुराग मिल सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ पाएगी।

इको गार्डन में आजाद समाज पार्टी का प्रदर्शन,धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के इको गार्डन में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) का धरना शुक्रवार को भी जारी रहा। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और छात्र धरना स्थल पर पहुंचे। प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज, पेपर लीक के मामलों और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश महासचिव अनिकेत धनुक ने किया। अनिकेत धनुक ने कहा कि 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में यह आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज दबाना गलत है। पार्टी आंदोलन जारी रखेगी। हम लखनऊ को नया जंतर–मंतर बना देंगे। अनिकेत धनुक ने कहा कि यह धरना प्रतीकात्मक नहीं बल्कि छात्रों के अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने कहा, जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते और छात्रों को न्याय नहीं मिलता, तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। सरकार को युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर जवाब देना होगा। प्रदेश महासचिव ने बताया कि शनिवार को आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद भी इको गार्डन पहुंचकर आंदोलन में शामिल होंगे। उनके आने के बाद आंदोलन को और तेज किया जाएगा तथा आगे की रणनीति भी तय की जाएगी। अनिकेत धनुक ने कहा कि यदि सरकार ने छात्रों की मांगों को गंभीरता से नहीं लिया तो आंदोलन और व्यापक होगा। उन्होंने कहा, हम लखनऊ को नया जंतर–मंतर बना देंगे।

गंगानाथ झा परिसर में तन्त्रयुक्ति पर राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

प्रयागराज। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय (प्प्ज् ठभ्न्) के संयुक्त तत्वावधान में परिसर में तन्त्रयुक्ति पर पञ्च दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन सम्पन्न हुआ। भारतीय शास्त्र परम्परा का आधुनिक भाषा प्रसंस्करण (छस्च्) के साथ समन्वय तथा षडि्कोर्स पार्सिंग (प्रवचन विश्लेषण) के एक स्वदेशी भारतीय सिद्धांत की ओरऽ एवं शास्त्रीय भारतीय ज्ञान प्रणालियों और आधुनिक एनएलपी (छस्च्) के बीच सेतु निर्माण के विशेष सन्दर्भ में आयोजित इस पञ्च दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ. सुखदा, सहायकाचार्या, आई.आई.टी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं प्रो. सोमापाल, आचार्या, आई. आई.टी.. संस्थान, हैदराबाद ने कार्यशाला में प्रतिभागी शोध छात्र–छात्राओं, प्राक्शोध पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये हुये छात्र–छात्राओं का मार्गदर्शन किया। कार्यशाला में सुश्रुत संहिता, अष्टांग संग्रह और अर्थशास्त्र जैसे ग्रंथों में वर्णित भारतीय ज्ञान परंपराओं, श्तन्त्रयुक्तिश् की अवधारणा पर विस्तृत चर्चा के साथ ही साथ इनका समकित विश्लेषण किया गया। तन्त्रयुक्तियों का कम्प्यूटर आधारित अनुप्रयोग भारतीय भाषाओं के लिए प्रवचन विश्लेषण, अर्थ विश्लेषण और ज्ञान के निरूपण हेतु एक स्वदेशी भारतीय सिद्धांत की व्याख्या करना कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य रहा। कार्यशाला में तन्त्रयुक्ति की प्रासंगिकता (जीम त्मसमअंदबम व

ज्दजतं–ल्नाजप), तन्त्रयुक्ति पर आधारित प्रवचन (क्पेबवनतेम) विश्लेषण, शास्त्रों का सही बोध और अधिगम, प्रबोधन – कमल के वन के लिए सूर्य के समान

(अज्ञान को दूर करना), प्रकाशन – घर में दीपक के समान (छिपे अर्थों को प्रकाशित करना), अनुक्त अर्थों का ज्ञान (जो नहीं कहा गया उसे समझना), अन्य शास्त्रों को शीघ्र समझने में सहायक टूल की व्याख्या करना सम्मिलित रहा। कार्यशाला में तन्त्रयुक्ति (ज्ल) की मुख्य विशेषताओं पर भी विस्तृत चर्चा सम्पन्न हुई।

डॉ. सुखदा ने शोधार्थियों को समाजोपयोगी टूल्स विकसित करने को प्रेरित किया तथा आयोजित कार्यशाला को ज्ञान अग्नि में चिंगारी सदृश ही बताया। ज्ञान यज्ञ की पूर्णता हेतु प्रबल प्रयास की आवश्यकता पर उन्होंने विशेष बल दिया। उन्होंने शोध को एक ऐसी समस्या के रूप में परिभाषित किया जिसका समाधान भी शोध छात्र को ही करना होता है। उन्होंने इस हेतु श्रम, शोध एवं श्रद्धा को माध्यम बताया। इसके पूर्व कार्यशाला के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे ने उपस्थित छात्र–छात्राओं के उत्साह एवं विभिन्न विषयों पर सम्पन्न हुई चर्चा का विशेष उल्लेख करते हुये कार्यशाला के मार्गदर्शकों प्रो. सोमापाल एवं डॉ. सुखदा के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने भर्तृहरि द्वारा लौकिक लोगों द्वारा फलों को प्राप्त न करने का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सभी प्रतिभागियों को आत्ममन्थन द्वारा अपनी ज्ञान पिपासा में वृद्धि करने का आह्वान किया। परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय "मणि" कार्यशाला में सम्मिलित समस्त प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए छात्रों में सीखने की सतत् प्रवृत्ति का होना अपरिहार्य बताया। कार्यशाला के सहसंयोजक डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी ने कार्यशाला से मिले अनुभवों को छात्र–छात्राओं के लिए अद्वितीय बताया तथा कार्यशाला के मार्गदर्शकों समेत समस्त प्रतिभागियों एवं परिसरीय सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। परिसर के जनसम्पर्क अधिकारी राजेश कान्त तिवारी के अनुसार इस कार्यशाला में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये अनेकों छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा लगभग 19 सत्रों में संचालित इस कार्यशाला के विषय में शोधार्थियों द्वारा प्रदत्त फीडबेक को अद्वितीय बताया। उनके अनुसार कार्यशाला में सहयोगी के रूप में सम्मिलित सुश्री सुचित्रा, सुश्री अनुष्का, श्री मोहन कुमार के साथ सुश्री माधवी त्रिपाठी सम्मिलित रहीं। प्रतिभागियों निकिता, शिफा, सुधांशु एवं गोलू नायक ने कार्यशाला से जुड़े अपने अनुभव साझा किये। इस अवसर पर डॉ. अंजनी पुण्डरीक, अंकित मिश्र, राजेशकान्त तिवारी समेत अन्य परिसरीय सदस्य उपस्थित रहे।

भयहरण नाथ धाम के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से की भेंट

धाम के कब्जा मुक्ति व बकुलाही नदी पुनरोद्धार पर सौंपा ज्ञापन डीएम ने दिया सहयोग का आश्वासन

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय से भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान का प्रतिनिधि मंडल कलेक्ट्रेट में सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर के नेतृत्व में मिला। प्रतिनिधि मंडल ने धाम में 15 मार्च 2026 से चल रहे सामाजिक सत्याग्रह के दौरान नायब तहसीलदार द्वारा लिए गए सार्वजनिक निर्णयों के व्यवहारिक पालन तथा बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान के अवशेष सरकारी कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के संबंध में विस्तृत ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधियों ने धाम को कब्जा मुक्ति व मनमाने पन से मुक्ति तक सत्याग्रह जारी रखने का संकल्प व्यक्त करते हुए सहयोग की माँग किया।

ज्ञापन के मुख्य बिंदु प्रमुख रहे जिसमे धाम मार्ग के गड्ढों का मरम्मत एवं सावन मेला 2026 की समुचित व्यवस्था, बकुलाही नदी की 15 किमी प्राचीन धारा पर डायवर्जन व पुल–पुलिया निर्माण तथा धाम की राजस्व भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर जनोपयोगी बनाना रहा। वहीं 8 अगस्त से 16 अगस्त 2026 तक होने वाली शिव महापुराण कथा में प्रशासनिक सहयोग की भी अपेक्षा की गई। बकुलाही नदी की

प्राचीन धारा के किनारे पर्यटन तीर्थ मार्ग/ बाई पास विकसित करने की भी मांग प्रमुखता से रखी गई।

भयहरण नाथ धाम के महासचिव व बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान के संयोजक समाज शेखर ने बताया कि जिलाधिकारी महोदय ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्यवाही के निर्देश देने का आश्वासन दिया। प्रबन्ध समिति पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी महोदय द्वारा संचालित जन सुनवाई कार्य क्रम को देखा, मंत्र मुग्ध हो मुक्त कंठों से कार्य शैली व प्रतिभा की सराहना की।

प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, उपाध्यक्ष बबन सिंह, उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र, भारतीय किसान यूनियन अंबावता के जिला प्रभारी जलालुद्दीन तथा सांस्कृतिक दूत प्रसिद्ध संगीतज्ञ प्रतिमा मिश्रा शामिल रही।

अंतर्राष्ट्रीय स्व-देखभाल (सेल्फ केयर) दिवस

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग ने आईक्यूएसी और सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय स्व–देखभाल दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम प्राचार्य, प्रो. अजय प्रकाश खरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत आईक्यूएसी की समन्वयक प्रो. सरिता श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम के परिचय से हुई। उन्होंने छात्रों को स्व–देखभाल की अवधारणा और जीवन में इसके महत्व से परिचित कराया। मनोविज्ञान विभाग की संयोजिका और सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग की सह–संयोजिका डॉ. रुचिका वर्मा ने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2026 के अंतर्राष्ट्रीय सेल्फ केयर दिवस के विषय 'सेल्फ केयर आपके स्वास्थ्य को आपके हाथों में रखता है। जांचें। ट्रैक करें। समृद्ध बनें।' पर चर्चा की। उन्होंने स्व–देखभाल के तीन स्तंभों के बारे में बताया। नियमित स्वास्थ्य जांच, ट्रैक करना यानी एक सप्ताह तक अपनी दैनिक आदतों और जीवनशैली के कारकों जैसे नींद की गुणवत्ता, पोषण और शारीरिक गतिविधि पर नज़र रखें ताकि पैटर्न का पता चल सके एवं समृद्धी अर्थात अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए छोटे, निरंतर और टिकाऊ बदलावों को अपनाएं। कार्यक्रम में डिजिटल डिटॉक्स और स्वस्थ खान–पान की आदतों पर विशेष जोर दिया गया, जिन्हें सेल्फ केयर की प्राथमिकता बताया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और प्रश्न भी पूछे। इस कार्यक्रम का संचालन और आयोजन डॉ. रुचिका वर्मा तथा मनोविज्ञान विभाग की शोधार्थी संज्ञा बुएला और आकांक्षा सिंह द्वारा किया गया। मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिका डॉ. रंजना तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

गाँव के किस्से

धर्म–कर्म के साथ जहाँ रहती है सेवा।
सूखी रोटी –दाल स्वाद में लगती मेवा।
कहना मत यह बात कभी भी हरि के डर से।
इसे परख कर देख गाँव कहते हैं सबसे।
चकाचौध से दूर हो, बीज बो रहे प्रेम का।
उनके आँगन में सदा, रहता है फल क्षेम का।।

झूम रही थी डाल हवाएँ सन सन करती।
पनघट की थी भोर चूड़ियाँ खनखन करती।
पनहारिन–संवाद गुलो–सा हँसते रहते।
बीती सारी बात गाँव के किस्से कहते।
लोककथाओं में निहित पानी के मटके दिखे।
कुछ जल को भरते हुये भरे कमर लटके दिखे।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

छात्रों का विरोध प्रदर्शन,दिल्ली जंतर मंतर पर लाठीचार्ज का कर रहे विरोध

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को परिवर्तन चौक पर विरोध प्रदर्शन। दिल्ली जंतर मंतर पर 20 तारीख को प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज और सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) के समर्थन में हो रहा है प्रदर्शन। आईसा, एसएफआई, एनएसयूआई और समाजवादी छात्र सभा समेत विभिन्न सामाजिक और छात्र संगठन इसमें हिस्सा ले रहे हैं। प्रदर्शन का आवाहन करने वाले आईसा के शांतम निधि ने कहा की छात्रों के ऊपर होने वाला अत्याचार बर्दाश्त नहीं होगा। दिल्ली में जंतर मंतर पर जिस तरह से हमला हुआ है यह सीधे तौर पर छात्र अधिकारों का हनन है। पूरे देश के युवाओं में आक्रोश है। आज यहां पर तमाम छात्र परिवर्तन चौक से जमा होकर विधानसभा घेरने के लिए जाएंगे। जब तक धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता पीछे नहीं हटेंगा।

कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर पुष्पांजलि अर्पित

लखनऊ (संवाददाता)। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ के अवसर पर नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी की कैडेट्स ने एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में परमवीर चक्र विजेता शहीद कैप्टन मनोज कुमार पांडे के आवास पर पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर कैडेट्स ने कैप्टन मनोज कुमार पांडे के भाई मनमोहन पांडे एवं भाभी अनुराधा पांडे से भेंट कर उन्हें पौध एवं हस्तनिर्मित पुष्पगुच्छ भेंट किया। उनके जीवन से जुड़े प्रेरणादायी संस्मरण सुने कि 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन मनोज कुमार पांडे ने जम्मू–कश्मीर के बटालिक सेक्टर में दुश्मन की कई सुदृढ़ चौकियों पर कब्जा करने के अभियान का नेतृत्व किया। 2–3 जुलाई 1999 की रात खालूबार क्षेत्र में उन्होंने अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता और अद्वितीय वीरता का परिचय देते हुए दुश्मन की कई चौकियों को ध्वस्त किया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने अपने साथियों का नेतृत्व जारी रखा और अंतिम क्षण तक लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। ऐसे वीर बलिदानी का जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है ् कैडेटों के लिए परमवीर चक्र को साक्षात् देखना अविस्मरणीय पल रहा।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 26/34 — दिनांक: 24.07.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई.एस. ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	20263488	सेट ऑफ लैंबरिंग एंड बियरिंग कॉम-प्लीट प्लेट	661 सेट	24.08.2026
2	90262364	स्टेनलेस स्टील स्टील राउण्ड रॉड्स (पील्ड बार) टू साइज 40 एमएम डायामीटर x 3730 एमएम लांग	783.5 एमटी	12.08.2026
3	90262365	स्टेनलेस स्टील स्टील राउण्ड रॉड्स (पील्ड बार) टू साइज 27 एमएम डायामीटर x 3260 एम एम लांग	270.05 एमटी	13.08.2026
4	38262757	डोर अरेंजमेन्ट फॉर बीओबीवाईएन वैगन	2575 नग	19.08.2026
5	30262306	ब्रेक सिलिंडर (लेफ्ट टर्न)	44 नग	13.08.2026
6	40261634	लेड ऐसिड बैटरी	56 सेट	20.08.2026

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1705/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

श्रावण मास के दौरान हरिद्वार में आयोजित कांवड़ मेला - 2026 हेतु व्यवस्थाएं

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों/श्रद्धालुओं की सुविधा के उद्देश्य से श्रावण मास के दौरान हरिद्वार में आयोजित कांवड़ मेला - 2026 के अवसर पर निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निम्न स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

गाड़ी नं	गाड़ी का नाम	आवृत्ति	दिनांक	स्टेशन	ठहराव समय
14113	सूबेदारगंज - देहरादून एक्सप्रेस	प्रतिदिन	30.07.2026 से 13.08.2026	रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	11:14/11:16 11:04/11:06 10:43/10:45
14309	लक्ष्मी बाई नगर - योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन		रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	17:35/17:37 17:00/17:02 15:53/15:55
14317	लक्ष्मी बाई नगर - योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन		रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	17:35/17:37 17:00/17:02 15:53/15:55
22659	तिरुवनन्तपुरम उत्तर - योग नगरी ऋषिकेश सुपरफास्ट एक्सप्रेस	साप्ताहिक		रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	13:04/13:06 12:52/12:54 12:08/12:10
14114	देहरादून - सूबेदारगंज एक्सप्रेस	प्रतिदिन	30.07.2026 से 13.08.2026	रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	14:10/14:12 14:34/14:36 15:15/15:17
14310	योग नगरी ऋषिकेश - लक्ष्मी बाई नगर एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन		रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	07:08/07:10 07:24/07:26 07:52/07:54
14318	योग नगरी ऋषिकेश - लक्ष्मी बाई नगर एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन		रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	07:08/07:10 07:24/07:26 07:52/07:54
22660	योग नगरी ऋषिकेश - तिरुवनन्तपुरम उत्तर सुपरफास्ट एक्सप्रेस	साप्ताहिक		रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	07:08/07:10 07:24/07:26 07:52/07:54

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR | 1692/26 (AS)

सम्पादकीय.....

संसद से सड़क तक विपक्ष की लड़ाई

राहुल गांधी की नाक से बहता खून, एक पैर में जूता, एक में नहीं। प्रियंका गांधी को धक्का देकर बस में बिठाया जाना। देर रात पुलिस स्टेशन में खड़ी सोनिया गांधी। ये महज तस्वीरें नहीं हैं, न ही संयोग से बने दृश्य हैं, बल्कि सोशल मीडिया और जनता के मानस पर छा जाने के लिए पैदा हुए क्षण हैं। विपक्षी राजनीति में हिरासत की तस्वीरें कई बार वास्तविक बहसों से ज्यादा असर छोड़ जाती हैं। यह राजनीति का पुराना और कारगर हथियार है। आपातकाल का नाम लें तो जॉर्ज फर्नांडीस की हथकड़ी लगी तस्वीर सबसे पहले याद आती है। अब सवाल यह है कि क्या कांग्रेस और बाकी विपक्ष को अपनी बात रखने के लिए ऐसी ही किसी तस्वीर की दरकार थी। क्योंकि 20 जुलाई को जब जंतर–मंतर पर हजारों लोग संसद की तरफ बढ़ने का इरादा लिए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के लिए उतरे तो बेहद क्रूरता से उन्हें कुचलने की कोशिश की गई। इस दौरान कॉकरोच जनता पार्टी की तरफ से अभिजित दिपके समेत मंच पर पहले बैठे लोगों को तो कुछ नहीं हुआ, लेकिन उनके आह्वान पर जुटे युवाओं को चोटें आईं। हालांकि उनके हौसले इससे कम नहीं हुए, बड़ी संख्या में युवा और उनका साथ देते अन्य लोग अब भी जंतर–मंतर पर डटे ही हैं। सोमवार को एक सवाल कई बार उठा कि विपक्ष के नेता कहां हैं, राहुल गांधी क्यों छात्रों का साथ देने जंतर–मंतर नहीं आ रहे। इससे पहले जब वे विदेश में थे, तब भी सवाल उठ रहे थे कि देश में इतना कुछ चल रहा है और राहुल कहां हैं। लिहाजा राहुल ने जवाब दे दिया। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री आवास के सामने विपक्षी सांसदों के साथ खड़े होकर सीधे नरेन्द्र मोदी से इस्तीफे की मांग ही की। ऐलान कर दिया कि मोदी जब तक विपक्ष की और छात्रों की बात नहीं सुनेंगे, वे यहां से हटेंगे नहीं। इसके बाद ही पुलिस को ऐसा एक्शन लेना पड़ा कि एक झटके में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव जैसे तमाम विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। बुधवार को जब राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस की तब भी उनसे सवाल किया गया कि आप प्रधानमंत्री आवास के सामने ही क्यों गए। इस पर राहुल गांधी ने जवाब दिया कि जब छात्र अपनी मांगों के साथ सड़क पर हैं, तो हमें लगा कि हमें भी सड़क पर होना चाहिए। लेकिन उससे पहले हमारी स्वाभाविक जगह संसद है। इसलिए मंगलवार सुबह हम लोकसभा अध्यक्ष के पास गए कि इस मुद्दे पर चर्चा हो, तो उनका जवाब था कि सरकार से पूछेंगे। इसके बाद हम प्रधानमंत्री आवास के सामने धरने देने गए। राहुल गांधी के इस जवाब पर आश्चर्य नहीं होता क्योंकि देश पिछले 12 सालों में देख चुका है कि कितनी बार जरूरी मुद्दों पर विपक्ष ने चर्चा की मांग की, लेकिन सत्ता पक्ष ने व्यवधान खड़ा किया। विपक्ष के लोगों को बोलने न देना और जब वे बोलें तो कई बार टोकना या उनके बयानों को रिकार्ड से हटवाना, ऐसे सारे धतकरम विपक्ष की आवाज दबाने के लिए किए गए हैं। वंदेमातरम पर चर्चा के लिए सरकार के पास वक्त है, जीएसटी लागू करवाना हो तो आधी रात को प्रधानमंत्री संसद में दिखेंगे। लेकिन देश के भविष्य यानी युवाओं पर बात करना है, उस शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा करना है, जिसके भरोसे ही देश सही अर्थों में आगे बढ़ेगा, तो उस मुद्दे पर मोदी बात ही नहीं करना चाहते। जबकि कायदे से उन्हें खुद इस मुद्दे पर चर्चा की पहल करनी चाहिए थी। सरकार बहस से बचती दिख रही है, तो विपक्ष के पास दो ही रास्ते बचते हैं– या तो वह थोड़ी बहुत शिकायतें कर विपक्ष होने की खानापूरी कर ले या फिर इस मुद्दे को सड़क पर ले जाए। राहुल गांधी समेत बाकी विपक्ष ने दूसरा रास्ता चुना। एक शंका यह भी जताई जा रही थी कि राहुल सड़क पर आ गए हैं तो जंतर–मंतर पर जो आंदोलन खड़ा हुआ, वह फीका पड़ जाएगा। यानी राहुल पर सबका ध्यान जाएगा, छात्रों की मांग पर नहीं तो इस आशंका को भी खुद राहुल गांधी ने ध्वस्त कर दिया। उन्होंने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में साफ कहा कि धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा, जिन लोगों ने छात्रों के साथ मारपीट की और उनका अपमान किया, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, नरेंद्र मोदी छात्रों के साथ हुए व्यवहार के लिए माफी मांगें, इन तीन मांगों पर कोई समझौता नहीं होगा। हम छात्रों के साथ पूरी तरह से खड़े हैं। जब उनके साथ हुई बदसलूकी पर सवाल हुए कि कभी नेता प्रतिपक्ष के साथ ऐसा नहीं किया गया, तब भी राहुल गांधी ने कहा कि मैं ऐसे कई और प्रहार छात्रों के लिए झेलने तैयार हूं। इन जवाबों के बाद कांग्रेस के खिलाफ जो नैरेटिव बनाने की कोशिश की गई थी, वो बेकार हो गई। संसद में तो मोदी सरकार बहस से बच सकती है, लेकिन जब विपक्ष सीधे प्रधानमंत्री के घर के सामने खड़ा हो जाए, तो यही संदेश जाता है कि बात अब किसी मंत्री के इस्तीफे तक नहीं बल्कि सरकार के शीर्ष पर बैठे लोगों की जवाबदेही तक पहुंच चुकी है।हालांकि विपक्ष की असली परीक्षा अब भी बाकी है कि क्या इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने में वह सफल होगी। जब तक नीट पेपर लीक के कारण अपनी जान गंवा चुके छात्रों को न्याय नहीं मिलता, जब तक शिक्षा प्रणाली की खामियां दूर नहीं होगी,

बढ़ता तापमान प्रभावित जीवन!

सुनील शुक्ल

जलवायु परिवर्तन की चर्चा पूरी दुनिया के स्तर पर व्यापक रूप से की जा रही है। इसे रोकने के लिए और पर्यावरण में संतुलन बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक तमाम सुझाव दे रहे हैं। हालांकि आम लोगों में इन उपायों को स्वीकार करने और जीवन शैली में परिवर्तन के लिए प्रभावी पहल नहीं दिखती है। इससे जलवायु परिवर्तन के कारण जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव दिन–प्रतिदिन गंभीर होते जा रहे हैं । एक अध्ययन के अनुसार बढ़ते तापमान के कारण आम व्यक्ति को 60–90 घंटे की नींद का नुकसान उठाना पड़ रहा है यह चिंताजनक स्थिति है। सामान्य और गहरी नींद पर्याप्त समय के लिए लेना स्वस्थ जीवन का आवश्यक कारक माना गया है । लेकिन बढ़ते तापमान में लोगों के नींद की अवधि को प्रभावित किया है और प्रकारांतर से उनके स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। बढ़ते तापमान के कारण एक क्षेत्र जो सर्वाधिक प्रभावित है– वह कृषि का क्षेत्र है। भारत में यह स्थिति और चिंताजनक है क्योंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है। बढ़ते तापमान के कारण खेतों की नमी, वृक्षों की हरियाली, नदियों के जल संग्रहण क्षेत्रों का संकुचन और पेयजल का संकट चारों तरफ दिखने लगा है। इस कारण मानव जीवन के प्रमुख आधार कृषि और खाद्य सुरक्षा पर संकट आने लगा है। जमीन की नमी में कमी आने से उन फसलों पर सर्वाधिक विपरीत असर पड़ा है जिनकी उत्पादकता और गुणवत्ता के लिए जमीन की नमी आवश्यक होती है। इन फसलों में सबसे प्रमुख है–धान की खेती। जमीन में नमी की कमी और बढ़ते तापमान के कारण न केवल धान की फसल की वृद्धि रुक जाती है बल्कि उसकी उत्पादकता भी प्रभावित होती है। इसी तरह बढ़ते तापमान के कारण गेंहू की फसल के जल्दी पक जाने और उत्पादकता घट जाने की बात लगातार सामने आ रही है। पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, छतीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों में लू की तीव्रता प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है और इन राज्यों में धान और गेहूं दोनों की पैदावार प्रभावित हो रही है। बढ़ते तापमान से न केवल फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है बल्कि मानव श्रम की अवधि और पशुधन पर भी विपरीत असर पड़ रहा है। असहनीय गर्मी के कारण निर्माण क्षेत्र, कल कारखानों के श्रम को और कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के काम के घंटे कम होते जा रहे हैं। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन और शहरी क्षेत्रों में जन दबाव बढ़ने की स्थिति बनती जा रही है। बढ़ते तापमान से दूध का उत्पादन भी घट रहा है, पक्षियों की मृत्युदर बढ़ रही है और पशुधन पर भी विपरीत असर पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारणों में हरियाली का घटता क्षेत्रफल, पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, प्राकृतिक संसाधनों का बेहिसाब दोहन और भू–जल संरक्षण के प्रति लापरवाह रवैया शामिल है। इसके लिए काफी हद तक संसाधनहीन गरीब, कम जोत वाले किसान और खेतिहर मजदूर सबसे अधिक जिम्मेदार माने जाते हैं। लेकिन यह उनकी विवशता है। यह भी तथ्यपरक है कि खराब होते पर्यावरण का सर्वाधिक नुकसान इसी समूह को उठाना पड़ता है। बढ़ते तापमान के इस दौर में खेती किसानी को बचाए रखने की चुनौतियां भी बढ़ती जा रही हैं। इसके लिए आवश्यक है कि किसानों को समय से मौसम की जानकारी देने, मौसम के अनुकूल फसलों की बुवाई और इसके लिए गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराना, सिंचाई के साधन उपलब्ध कराने और प्राकृतिक संसाधनों का तर्कसंगत उपयोग के प्रति किसानों को सतर्क करने की पहल होनी चाहिए। शहरों में हरित क्षेत्र के विस्तार, वृक्षारोपण को बढ़ावा और प्रदूषण को रोकने के उपायों के प्रति जन–जागरूकता भी आवश्यक है। बढ़ते तापमान से धरती को बचाने की जिम्मेदारी सभी के मन में होनी चाहिए धरती को केवल संसाधनों के भंडार के रूप में देखना कतई उचित नहीं है बल्कि इसे जीवन के आधार के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए हरियाली से भरे हुये खेत केवल किसानों को ही उत्साह से नहीं भरते बल्कि मानवता के अस्तित्व को बचाए रखने का भी संदेश देते हैं। बढ़ते तापमान के इस दौर में खेत झुलस रहे हैं इन्हें बचाने का संकल्प सभी को लेना होगा।बढ़ते तापमान का असर कृषि के साथ–साथ जल संचयन पर भी पड़ रहा है। उदाहरण के तौर पर उत्तरप्रदेश में कम वर्षा के कारण विभिन्न बांधों में जल संग्रहण की मात्रा में कमी और नदियों के सूख जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। उत्तर प्रदेश में लगभग 150 बांध हैं इनमें 71 बड़े बांध हैं। इनकी जल संग्रहण क्षमता 10895 मिलियन क्यूबिक मीटर है इस समय इनकी क्षमता का केवल 27प्रतिशत पानी ही संग्रहीत है। इसी तरह गंगा, यमुना, घाघरा, राप्ती, दंडक और शारदा नदियों में बरसात के अलावा अन्य मौसमों में पानी का प्रवाह बहुत कम हो जाता है। छोटी नदियों में केवल बरसात के दिनों में ही पानी दिखता है गर्मी के दिनों में वे नदियां सूख सी जाती है। जिनका जल क्षेत्र पर्वतीय नहीं है। यही स्थिति बिहार की भी है। राज्य में 30 छोटे–बड़े बांध है। गर्मी के दिनों में केवल बांका जिले के ओढनी जलाशय में उसकी क्षमता का 60प्रतिशत जल संग्रहण था। सभी बांध बरसात के पानी पर निर्भर है। गर्मी के दिनों में किसी भी बांध में जल संग्रहण क्षमता के अनुसार पानी नहीं था। 8 बांध तो पूरी तरह सूख गए। राज्य की 81 छोटी–बड़ी नदियों में से 22 सूखी पड़ी हैं। बरसात के दिनों में इन नदियों में रौनक लौटती है। 23 नदियों में नापने लायक पानी भी नहीं है। जल संग्रहण क्षेत्रों में अतिक्रमण अवैध निर्माण और अवैध बसाहट के कारण स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। इसी तरह बांधों में रिसाव को रोकने के लिए त्वरित और प्रभावी कार्रवाई में भी कमी दिखती है। राज्य में इस कारण भूजल के उपयोग की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। बढ़ते तापमान और नदियों और जलाशयों में पानी की कमी के कारण भू–जल का बेहिसाब दोहन हो रहा है जो चिंताजनक है। जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान की वजह से न केवल मैदानी और पर्वतीय इलाके ही प्रभावित हैं वरन इसका प्रतिकूल असर समुद्र तटीय इलाकों पर भी पड़ रहा है। समुद्र के सतह का बढ़ता तापमान तटीय इलाकों के जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। इन इलाकों में बढ़ते तापमान के कारण अधिकतम तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की तापमान वृद्धि की सीमा समय से पहले छू लेने की आशंका बढ़ती जा रही है। इस सीमा को वैज्ञानिक पृथ्वी के लिए खतरनाक मानते हैं। देश में 40 समुद्र तटीय जिलों में गर्मी के दौरान अधिकतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस से अधिक वृद्धि महसूस किया गया। इससे गर्मी का दबाव ऊर्जा की बढ़ती खपत, श्रम उत्पादकता में कमी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती हैं।

थैंक यू मी लॉर्ड, नयी पीढ़ी से देश का नव परिचय

सर्वमित्रा सुरजन

थैंक यू मी लॉर्ड, न आप देश के युवाओं को कॉकरोच कहते, न उनके स्वाभिमान को ठेस पहुंचती और न कॉकरोच जनता पार्टी जैसा आंदोलन सोशल मीडिया पर खड़ा होता। न्यायपालिका के शिखर पर बैठे मी लॉर्ड ने उम्मीद न की होगी कि तंज और जवाबी तंज के बाद बात इतनी आगे निकल जाएगी। लेकिन अब निकल ही गई है तो एक और बात के लिए मी लॉर्ड और मोदी सरकार को शुक्रिया कहना चाहिए कि इनकी वजह से नयी पीढ़ी से देश का नव परिचय हुआ। जनरेशन गैप यानी पीढ़ियों में अंतर के कारण एक जुमला बरसों–बरस समाज में चलता आया है, हमारे जमाने में तो ऐसा होता था, ये आजकल के बच्चे..., बस इसके आगे जो चाहे संज्ञा, विशेषण, उपमा जोड़ लें और नयी पीढ़ी के तौर–तरीकों को गलत ठहरा दें। लेकिन बच्चों, नौजवानों के मन में क्या है, वे सत्ता, प्रशासन या सामाजिक संस्कारों, मान्यताओं को किस तरह से देख रहे हैं। सोशल मीडिया के जरिए उन्हें दुनिया भर की जो घटनाएं देखने मिल रही हैं, जो जानकारियां उन तक पहुंच रही हैं, उन पर उनकी क्या राय है, यह जानने की कोशिश बहुत कम लोग करते हैं। नयी पीढ़ी के बारे में एक आम धारणा यह बना ली गई है कि इसमें बर्दाश्त की क्षमता कम है, वे बड़ों की बात एक बार में नहीं मान सकते, तर्क–वितर्क करते हैं। सार्थक विमर्श को पलट कर जवाब देना बता कर नयी पीढ़ी को कई बार कटघरे में खड़ा किया गया। गर्म खून है तो गुस्सा नाक पर रहता है, ऐसा भी मान लिया जाता है। लेकिन जंतर–मंतर पर जो अभूतपूर्व धरना–प्रदर्शन देश ने देखा उसने इनमें से कई धारणाओं को ध्वस्त कर दिया। इसलिए मी लॉर्ड और सरकार को शुक्रिया कहना तो बनता ही है। 20 जुलाई को जब देश के अलग–अलग जगहों से आए लोगों ने संसद की तरफ कूच करना चाहा तो जाहिर तौर पर मोदी सरकार ने उन्हें रोकने के इंतजाम किए। आंसू गैस के गोलों से लेकर लाठी चार्ज और बंदूकों का तानना सब किया गया। किसानों के लिए सड़क पर कीलें बिछाई गई थीं, युवाओं के लिए बैरिकेड्स में करंट का इंतजाम हुआ। जय जवान, जय किसान कहने वाले देश की यही सूरत नरेन्द्र मोदी ने बनाई है। लेकिन जिस तरह किसानों ने साल भर तक अदम्य साहस और धैर्य का परिचय दिया था, वैसा ही धैर्य जंतर–मंतर के प्रदर्शनकारियों ने दिखाया। किसानों में तो सब्र पहले ही कूट–कूट कर भरा होता है, तभी तो बीज बोने से लेकर फसल काटने तक की लंबी, संघर्षपूर्ण प्रक्रिया वे पूरी कर पाते हैं। अब युवाओं ने भी साबित कर दिया है कि सब्र के मामले में वे किसी से कम नहीं हैं। सोशल मीडिया पर ढेर सारे वीडियो देखे जा सकते हैं, जिनमें प्रदर्शनकारियों को बुरी तरह पीटा जा रहा है। किसी को जमीन पर लिटाकर रौंदा गया, किसी के नाजुक अंगों पर प्रहार किया गया। कई प्रदर्शनकारियों की जान पर बन आई, कई भूखे–प्यासे, बिना पैसों के रह गए, लेकिन किसी ने भी न आपा खोया न हौसला खोया। सरकार और पुलिस प्रशासन इस बात से अच्छे से वाकिफ है कि 20 जुलाई को जितनी संख्या में सुरक्षा बल तैनात था, उससे कहीं ज्यादा प्रदर्शनकारी थे। पुलिस हथियारों से लैस थी, लेकिन प्रदर्शनकारी निहत्थे थे। फिर भी अगर वे सब आत्मरक्षा पर उतर आते तो सरकार के लिए मामला गंभीर हो सकता था। प्रदर्शनकारियों ने मार खाकर भी पलट कर हाथ नहीं उठाया। अपने शरीर पर लाठियां खाते रहे, आंसू गैस के गोले फटे तो आंखों में जलन लिए भी एक–दूसरे को संभालते रहे। 1947 से पहले की पीढ़ी जब अंग्रेजों के खिलाफ धरने–प्रदर्शन के लिए उतरती थी, तो कैसा माहौल रहता होगा, ये उन्हें एक बार फिर 2026 में देखने मिल गया। सोशल मीडिया पर रील बनाना, दिनचर्या के कई पलों को इंस्टा स्टोरी की शक्ल देना, फॉलो–अनफॉलो, लाइक–अनलाइक इन सबके आधार पर रिश्तों को परिभाषित करने वाली यह नयी पीढ़ी अपने भीतर गांधी को इस तरह लिए फिरती है, यह बात तो 20 जुलाई को व्यापक तौर पर पता चली। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह वही पीढ़ी है जिसने अपने दौर में गोडसे को ही महिमामंडित होते देखा है। जिसने बाबरी मस्जिद का टूटना नहीं देखा, लेकिन राम मंदिर के शिलान्यास से लेकर प्राण प्रतिष्ठा होते तक सब देखा है। ऐसा नहीं है कि इस समय समूची नयी पीढ़ी एकदम धर्मनिरपेक्ष है या संविधान ही उसके लिए सर्वोपरि है। अब भी ऐसे बहुत से नौजवान हैं, जो धर्मोन्माद के जहर को देशभक्ति का असली स्वाद समझते हैं। जिनके लिए जंतर–मंतर पर चल रहे धरने–प्रदर्शन से ज्यादा मायने कांवड़ यात्रा की तैयारी लग रही है। जो मुसलमानों से नफरत भी करते हैं और मोदी के कारण देश को असली आजादी मिली, ऐसा मानते हैं। नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के 12 सालों में और संघ ने अपने सौ सालों के सफर में समाज को बरगलाने का जो काम किया है, उसका असर तो दिखेगा ही। लेकिन फिर भी जंतर–मंतर से आए दृश्यों ने उस निराशा को दूर करने का काम किया है, जो भाजपा की बार–बार जीत और विपक्ष की लगातार हार के बाद तारी होती जा रही थी। 2024 के चुनावों में भी ऐसी ही उम्मीद बंधी थी, जब इंडिया गठबंधन के बैनर तले विपक्ष का बड़ा और मजबूत मोर्चा तैयार हुआ था। उस दौरान रामलीला मैदान में हुई बड़ी रैली में समूचा विपक्ष एकजुट हुआ था, हालांकि तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के कांग्रेस से मतभेद और मनभेद दोनों थे, लेकिन बड़ा मकसद भाजपा को हराना था, लिहाजा सब एक साथ आए। इसका नतीजा भी देखने मिला जिसमें भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला। अगर चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, एकनाथ शिंदे जैसे नेताओं ने भाजपा का साथ नहीं दिया होता, तो मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री नहीं बन सकते थे। बहरहाल, इंडिया गठबंधन विपक्ष में बैठा और मजबूती से अपनी भूमिका अदा करता रहा, जिसकी वजह से संसद में एनडीए का खुल्ला खेल नहीं चल पाया। मगर अब सियासी समीकरण बदल रहे हैं। क्षेत्रीय दलों को लगभग भाजपा ने खत्म कर दिया है, इक्का–दुक्का दल हैं जो कांग्रेस के साथ मिलकर अब भी भाजपा के लिए खतरा बने हुए हैं। अगले साल उत्तरप्रदेश, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव बताएंगे कि विपक्ष में जान बचेगी या नहीं। सियासी परिदृश्य का यह अंधेरा, यह निराशा देश को भी हताशा की तरफ धकेल रहा था। सत्ता के फैलाए भय का असर इतना था कि आदमी अपनी परछाईं से भी डरे। लेकिन जंतर–मंतर पर खड़े होकर संसद की तरफ मुट्ठी बांधे उठती हजारों–हजार भुजाओं ने भय का साम्राज्य खत्म कर दिया है। इस धरने–प्रदर्शन में अभिव्यक्ति की आजादी का भी बखूबी इस्तेमाल हो रहा है। यहां जिस तरह के पोस्टर–बैनर लहराए जा रहे हैं, उसे देखकर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग करने वालों को नया सबक सीखने मिलेगा। संकट में हास–परिहास का ककहरा युवाओं की तरफ से लगाए जा रहे नारों से सीखा जा सकता है। इंटरनेट पर एक से बढ़कर एक रील्स और मीम्स तैयार हो रहे हैं। मैं कभी बतलाता नहीं, पर सवालों से डरता हूं मैं शाह, लवणेम भोज्यम, मुझे मेरे पुराने बुरे दिन चाहिए, अकाउंटिबिलिटी नॉट फाउंड एरर 404, इतना धोखा तो मुझे मेरे एक्स ने भी नहीं दिया, मुझको मेरे सवालों का जवाब दीजिए, देश को हिसाब दीजिए जैसे न जाने कितने नारे और गानों पर पैरोडी तैयार हो रही है। एक तरफ अपने भविष्य की चिंता, पढ़ाई–रोजगार की अनिश्चितता, घर वालों का दबाव, बेरोजगारी–महंगाई की मार और उस पर सरकार की निष्ठुरता, इसके बावजूद अगर ये नौजवान लाठियां खाकर भी सरकार को जगाने के लिए तीखे नारों के साथ सहज हास्य बोध का परिचय दे रहे हैं,

विकास भी, विरासत भीः मोदी जी के 12 वर्षों की सौगात

तरुण चुघ

17 जुलाई, 2026 का दिन देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर विश्व को भारत के श्रमिकों, इंजीनियरों की मेहनत की पराकाष्ठा, पराक्रम और तकनीक की धमक सुनाई, कुरुक्षेत्र में भव्य सिख संग्रहालय की आधारशिला रखकर गुरु परंपरा को आने वाली पीढियों तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया और फिर जालंधर की पावन धरती से पंजाब को 5,470 करोड़ रुपए से अधिक की रेल और सड़क परियोजनाओं की सौगात दी। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के करोड़ों श्रद्धालुओं की दशकों पुरानी मांग पूरी करते हुए बेगमपुरा के बाद अब दूसरी ट्रेन छेहर्टा (अमृतसर) से काशी तक 'संत गुरु रविदास एक्सप्रैस' का शुभारंभ हुआ और 100 करोड़ की लागत से बना हुआ जालंधर कैंट का एयरपोर्ट जैसा भव्य रेलवे स्टेशन राष्ट्र को समपत हुआ। आज जब पंजाब 2027 की दहलीज पर खड़ा होकर अंगड़ाई ले रहा है, तो हर पंजाबी के मन में 3 प्रश्न हैं–बीते 12 वर्षों में मोदी जी ने पंजाब को क्या दिया? 'आप' के कुशासन ने पंजाब का क्या हाल कर दिया और पंजाब का भविष्य किसके हाथों में सुरक्षित है? इन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर पंजाब की दिशा और दशा तय करेंगे। 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के दिन से ही मोदी जी ने पंजाब को केवल एक सीमावर्ती राज्य नहीं, बल्कि गुरुओं, महात्माओं, संतों, राष्ट्रभक्तों और शहीदों की पवित्र भूमि माना है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण करतारपुर साहिब कॉरिडोर है। नवंबर 2019 में कॉरिडोर खुला और आज लाखों श्रद्धालु बिना वीजा के दर्शन कर घर लौटते हैं। सितम्बर 2020 में श्री हरिमंदिर साहिब अमृतसर को एफ.सी.आर.ए. पंजीकरण मिला, जिससे 1984 के 36 साल के बाद पहली बार विदेशों में बैठी संगत सीधे गुरु घर की सेवा में दान भेज पा रही है। सेवा भोज योजना के अंतर्गत लंगर की सामग्री पर लगने वाले जी.एस.टी. की प्रतिपूर्ति कर केंद्र सरकार ने एस.जी.पी.सी. और दुर्ग्याणा तीर्थ को करोड़ों रुपए लौटाए, गुरु के लंगर को कर–मुक्त किया। गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व, गुरु गोबिंद सिंह जी का 350वां प्रकाश पर्व और गुरु तेग बहादुर जी का 400वां प्रकाश पर्व केवल भारत में ही नहीं, पूरे विश्व में अभूतपूर्व भव्यता के साथ मनाए गए, सुल्तानपुर लोधी का विकास, स्मारक सिक्के, डाक टिकट और अंतर्राष्ट्रीय आयोजन गुरुओं की वाणी को विश्व मंच तक ले गए। 26 दिसम्बर को 'वीर बाल दिवस' घोषित कर साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी की लासानी शहादत और दोनों साहिबजादों की वीरता, शौर्य एवं अपने धर्म के प्रति प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय स्मृति का अंग बनाया गया। जलियांवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक का भव्य पुनर्घवकास हुआ। दशकों पुरानी ब्लैकलिस्ट के 314 में से 312 नाम हटाकर प्रवासी सिख परिवारों के लिए वतन के दरवाजे खोल बड़ी राहत दी। कांग्रेस पार्टी द्वारा गांधी नेहरू परिवार के इशारे पर 1984 के सिख विरोधी नरसंहार में एस.आई.टी. के माध्यम से साढ़े 3 दशक बाद पहली बार दोषियों को सजा दिलाकर इंसाफ की ज्योति जलाई गई। 925 करोड़ रुपए की लागत से 750 बिस्तरों वाला एम्स बठिंडा, मोहाली में टाटा कैंसर संस्थान, आई.आई.एम. अमृतसर, आई.आई.टी. रोपड़ का विस्तार, पी.जी.आई.एम.ई.आर. चंडीगढ़ का लगभग 1,000 करोड़ रुपए का सारंगपुर विस्तार परिसर और होशियारपुर कपूरथला में नए मैडिकल–नर्सिंग कॉलेज–मोदी जी ने पंजाब में स्वास्थ्य और शिक्षा की पूरी क्रांति खड़ी कर दी। कनैक्टिविटी में तो युग बदल गया–40,000 करोड़ रुपए का दिल्ली–अमृतसर–कटरा एक्सप्रैसवे दिल्ली से माता वैष्णो देवी का 16 घंटे का सफर घटाकर लगभग 6 घंटे और अमृतसर का सफर लगभग 4 घंटे कर देगा। ब्यास दरिया पर देश का सबसे लंबा केबल–स्टेड पुल बन रहा है। पंजाब में 43,527 करोड़ रुपए के राष्ट्रीय राजमार्ग और लगभग 34,000 करोड़ रुपए का रेलवे अवसंरचना निर्माण चल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना में पंजाब के 30 स्टेशन शामिल हैं। अन्नदाता के सम्मान में पंजाब के 11 लाख किसानों के खातों में पी.एम.–किसान की राशि सीधी पहुंच रही है, गरीब कल्याण के तहत प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा लगभग 1.40 करोड़ लाभाध्थियों को मुफ्त राशन मिल रहा है, शौचालय, पक्के घर, उज्ज्वला और आयुष्मान ने आम परिवारों का जीवन बदला है। अब दूसरी तस्वीर देखिए, जो हर पंजाबी का कलेजा चीर देती है। जिस पंजाब को केंद्र सरकार गफ्फे दे रही है, उसी पंजाब को भगवंत मान सरकार ने हर क्षेत्र में पीछे धकेल दिया है। सबसे बड़ा घाव नशे का है–आज पंजाब ड्रग्स के दरिया में डूबा कराह रहा है। गली–गली में मातम है। जो लोग नशा खत्म करने की कसमें खाकर सत्ता में आए थे, उनके राज में नशे का कारोबार और फला–फूला कई गुणा और जगह उपलब्ध हुआ है। तस्करों पर प्रभावी कार्रवाई की इच्छाशक्ति ही नहीं है, क्योंकि जिन पर रोकने की जिम्मेदारी थी, वहां रक्षक ही भक्षक बन बैठे हैं। कानून–व्यवस्था का आलम यह है कि गैंगवार, फिरौती और टारगेट किलिंग रोज की खबर बन गई है। व्यापारी असुरक्षित है, उद्योगपति पलायन कर रहा है और निवेशक पंजाब का नाम सुनकर दूर भागता है। खजाने का हाल और भी बुरा है–पंजाब इतिहास के सबसे बड़े कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है, सरकार वेतन देने तक के लिए उधार पर उधार ले रही है और हर पंजाबी के सिर पर कर्ज का बोझ रोज बढ़ रहा है। जिन्होंने खनन से खजाने में 20,000 करोड़ रुपए लाने का दावा किया था, उनके राज में उल्टे पंजाब की धरती लुट रही है–सुबह–सुबह नहरों और दरियाओं के किनारे टिप्परों–टैंकरों की कतारें पंजाब का सीना छलनी कर रही हैं, अवैध खनन का पैसा खजाने में नहीं, दलालों और दलालों के रखवालों की जेबों में जा रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय बने धुस्सी बांध ने 25 वर्षों तक पंजाब की रक्षा की, परंतु बांधों के आसपास तक अवैध खुदाई कर इन्होंने पंजाब की ढाल को ही कमजोर कर दिया, परिणाम यह कि पानी ने रास्ता बदला और 2,100 गांव डूब गए। जो कहते थे कि बकरी तक का मुआवजा पहुंचेगा, उनके राज में सालभर बाद भी पीड़ितों तक मुआवजा नहीं पहुंचा। इस संकट में प्रधानमंत्री मोदी जी दिल्ली से आकर किसानों से मिले, केंद्र का एक–एक मंत्री पंजाब के जिलों–गांवों में पहुंचा, केंद्रीय आपदा टीमों ने जानें बचाईं, परंतु अहंकार में डूबी पंजाब सरकार के न मुख्यमंत्री पीड़ितों के आंसू पोंछने गए, न कोई मंत्री। 'सेहत क्रांति' के नारे पर सत्ता में आए लोग अस्पतालों या इंस्टीच्यूट बनाना तो छोड़ो किसी अस्पताल में एक नया वार्ड बनाया हो, वह तक नहीं गिना सकते, मैडिकल कॉलेज और अस्पताल तो दूर की बात, इनकी पूरी राजनीति केंद्र की योजनाओं पर अपना स्टिकर चिपकाकर जनता को भ्रमित करने तक सिमट गई है।

घुड़सवारी, चाकू और बंदूक चलाना सीखा, रणबाली के लिए विजय देवरकोंडा ने ली सख्त ट्रेनिंग

एक्टर विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म रणबाली के रोल के लिए अपने करियर की सबसे मुश्किल तैयारी की है। कई महीनों तक अलग–अलग तरह की स्किल्स सीखने के बाद, एक्टर ने जबरदस्त ट्रेनिंग की, ताकि हर एक्शन सीन असली लगे। उनका ट्रांसफॉर्मेशन आम फिटनेस रूटीन से कहीं आगे था। उनकी तैयारी इस तरह से की गई थी ताकि हर सीन स्क्रीन पर असली लगे। इंडिया टुडे ने फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा इस रोल के लिए विजय ने खुद को तैयारी के एक लंबे और मुश्किल प्रोसेस में पूरी तरह झोंक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल सेशन किए। साथ ही, उन्होंने हथियार चलाना, फायरआर्म्स का इस्तेमाल करना और घोड़े पर बैठकर नकली गोलीबारी के बीच एक्शन करना भी सीखा। सूत्र ने आगे कहा, फिल्म के लिए विजय ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की और चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग–अलग स्किल्स सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह ढालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे। विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म रणबाली फैंस को उत्साहित कर रही है। यह इस साल 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में हैं। इसके बाद विजय राउडी जनार्दन में नजर आएंगे।

> “ उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की और चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग-अलग स्किल्स सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह ढालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे।

भोजपुरी अभिनेत्री ने खेसारी लाल यादव पर लगाया एआई से बनी आपत्तिजनक तस्वीरें फैलाने का आरोप, दर्ज कराई एफआईआर

भोजपुरी अभिनेत्री अंजना सिंह ने भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव और उनकी टीम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अभिनेत्री ने खेसारी पर अपनी फेक तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन प्रसारित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे लेकर एफआईआर दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि उनकी और उनकी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक ।ष–जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन फैलाए जा रहे हैं। समाचार एजेंसी ।छप् से बात करते हुए, अंजना सिंह ने भोजपुरी सिंगर–एक्टर खेसारी लाल यादव की टीम से जुड़े लोगों पर यह कंटेंट फैलाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। अंजना ने कहा, शपिछले कुछ दिनों से मेरी और मेरी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक एआई–जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो फैलाए जा रहे हैं। अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है और धमकियां दी जा रही हैंश। अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि उन्हें कुछ लोगों से धमकियां मिल रही हैं, जिनमें लखनऊ न जाने की चेतावनी भी शामिल है। अंजना ने यह भी दावा किया कि खेसारी लाल यादव के मैनेजर अखिलेश कश्यप, उन्हें निशाना बनाने वाला कंटेंट बनाने और उसे प्रमोट करने में शामिल थे। अभिनत्री ने एफआईआर में कहा है, श्खेसारी लाल यादव के मैनेजर अखिलेश कश्यप ने धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया है। उनकी टीम के लोगों ने मेरे और मेरी बेटी के बारे में गाने भी बनाए। अंजना सिंह ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए अधिकारियों से मामले की जांच करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, श्मैं उत्तर प्रदेश की रहने वाली हूं। मुझे यूपी सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर पूरा भरोसा है कि मुझे न्याय मिलेगा। ऐसे लोगों को तुरंत पकड़ा जाएगा और उनके खिलाफ सख्त एक्शन होगा। थ्प् के मुताबिक, एक्ट्रेस ने कहा, कुछ लोगों ने मेरे खिलाफ एक सोची–समझी साजिश के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील, भद्दा और आपत्तिजनक कंटेंट प्रसारित किया। मॉर्फ की गई अश्लील तस्वीरें पब्लिश कीं और आपराधिक धमकियां दींश। यह शिकायत लखनऊ के हजरतगंज स्थित साइबर क्राइम विंग में दर्ज कराई गई है। खेसारी लाल यादव की टीम की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अरबाज के बेटे ने छात्रों के लिए किया पोस्ट, लिखा- पापा से उनके पापा ने यही कहा था

इन दिनों नीट परीक्षा लीक को लेकर छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कई सितारों ने उन्हें सपोर्ट किया है। सलमान खान ने भी सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर छात्रों को समर्थन दिया। हालांकि, उन्होंने स्टूडेंट्स से प्रदर्शन खत्म करने की अपील भी की है। इस बीच सलमान खान के भतीजे अरहान खान ने भी सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी है। अरहान खान अभिनेता अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के बेटे हैं। अरहान ने सीधे स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर तो कुछ नहीं कहा, मगर अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में छात्रों और शिक्षा की बात की है। दरअसल, अरहान खान ने अपनी हालिया अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र की यात्रा का जिक्र करते हुए एक तस्वीर साझा की है। इसी के साथ उन्होंने जिंदगी, प्यार, शिक्षा और स्टूडेंट सहित कई चीजों पर बात की है। अरहान खान ने एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, श्अरुणाचल प्रदेश के तवांग के उत्तर–पूर्व में समुद्र तल से 12,165 फीट की ऊंचाई पर, पहाड़ों के बीच माधुरी झील बसी है। यह जगह इतनी खूबसूरत है कि आपको यकीन हो जाता है कि सिर्फ प्यार जैसी ताकत ही इसे इतना बेदाग और सुंदर बनाए रख सकती है। तभी मेरी नजर एक चीज पर पड़ी और मैंने यह देखा। मैं यह फोटो शेयर करना चाहता था, क्योंकि इसने मेरे दिल में अपने देश के लिए प्यार जगाया और अब इसे शेयर करना पहले से कहीं ज्यादा सही लग रहा है। अरहान ने आगे लिखा है, पिछले कुछ दिनों में हमने एक–दूसरे का बोझ बांटने, इंसानियत को चुनने और हर चीज से ऊपर उठकर प्यार दिखाने का शानदार नजारा देखा है। मेरे पिता के दाहिने हाथ पर एक टैटू है, जिस पर लिखा है एक–दूसरे से प्यार करो वरना मिट जाओगे (love each other or perish)। यह शब्द उन्हें उनके पिता, सलीम खान ने दिए थे। उनके हाथ पर लिखे ये शब्द अब इस पल के लिए एक भविष्यवाणी जैसे लगते हैं। मेरे पास कहने के लिए सही शब्द नहीं हैं, लेकिन यह तस्वीर बिल्कुल सही बैठती है। किसी और समय यह शायद सिर्फ एक तस्वीर होती, लेकिन मुझे लगता है कि अब जब मेरी पीढ़ी की भावनाएं एक जैसी हैं, तो इसे भरपूर प्यार और सपोर्ट मिलेगा। जेनरेशन इसे सही भावना और नजरिए के साथ आगे ले जाएगी। मर्द, मैं तुमसे प्यार करता हूं और इस समय इसका हिस्सा होने पर मुझे गर्व है। मैं यह तस्वीर तुम्हें सौंपता हूं। हम सब स्टूडेंट हैं। जिंदगी के छात्र। आइए, सही बातें सिखाएं। जय हिंद। अरहान के पोस्ट पर पिता अरबाज खान ने लिखा है, लव यू, मुझे तुम पर गर्व है अरहान। वहीं, मलाइका ने लिखा है, तुमने मुझे गौरवान्वित कर दिया। बता दें कि अरबाज खान और मलाइका की शादी साल 1998 में हुई थी। मगर, 2017 में इनका तलाक हो गया। मलाइका से तलाक के बाद अरबाज की दूसरी शादी शूरा खान से हुई है।

जबरा फैन की हरकत देखकर हैरान रह गई थीं काजल अग्रवाल, सुनाया चौंकाने वाला किस्सा

काजल अग्रवाल साउथ की चर्चित अदाकारा हैं। वे तेलुगु इंडस्ट्री के अलावा तमिल और हिंदी भाषाओं में भी अपने अभिनय का दम दिखा रही हैं। फिलहाल, इन दिनों वे फिल्म द इंडिया स्टोरी को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म आज शुक्रवार को रिलीज हुई है। इस बीच अभिनेत्री ने एक पुराना किस्सा साझा किया है, जो हैरान करने वाला है। काजल अग्रवाल ने अपना कड़वा अनुभव साझा करते हुए बताया, श्कुछ दिनों पहले, मैं एक फिल्म की शूटिंग कर रही थी। पहले दिन का शॉट पूरा होने के बाद फिल्म का असिस्टेंट डायरेक्टर एक आदमी बिना मेरी इजाजत के मेरी वैनिटी वैन में घुस आया। आते ही उसने अपनी शर्ट उतारी और मुझे दिखाया कि उसने अपनी छाती पर मेरे नाम का टैटू बनवाया है। मैं इस अचानक हुई घटना से हैरान रह गई। मुझे उसकी तारीफ से खुशी हुई, लेकिन जब मैं अकेली थी, तो बिना इजाजत मेरे कमरे में आना और ऐसा करना ठीक नहीं था। इसलिए मैंने उसे धीरे से चेतावनी दी। फिल्म द इंडिया स्टोरीश का निर्देशन चेतन डीके ने किया है। इसमें काजल के अलावा श्रेयस तलपड़े, अश्विनी भांडे, हार्दिका जोशी, मुरली शर्मा, मनीष वाधवा, अतुल तिवारी और कमलेश सावंत जैसे सितारे हैं। फिल्म में खाद्य पदार्थों में मिलावट, प्रदूषण, कृषि में रसायनों के उपयोग और उसके नेगेटिव असर को दिखाया गया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज की गई है। श्द इंडिया स्टोरीश में काजल अग्रवाल ने एक वकील की भूमिका अदा की है। इस फिल्म के अलावा वे नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म श्रामायणश में भी नजर आएंगी। इसमें उन्हें मंदोदरी की भूमिका में देखा जाएगा।

‘उन्होंने मुझे जबरन किस किया और गाली..’, कौन हैं सान्वी तलवार? करण कुंद्रा पर लगाए संगीन आरोप

एक्ट्रेस सान्वी तलवार और करण कुंद्रा ने एक साथ सीरियल ये कहां आ गए हम में काम किया था। उस वक्त सीरियल के सेट से दोनों के टरकाव की कई खबरें आई थी। जिनपर कई साल बाद सान्वी ने उस घटना को याद करते हुए सच्चाई सामने रखी है। सान्वी तलवार ने याद करते हुए खुलासा किया की आखिर उनके और करण के बीच क्या हुआ था। टेली मसाला के साथ हुई बातचीत में उन्होंने बताया कि ‘मैं सेट पर करण से ज्यादा बात नहीं करती थी। मेरी यह बात करण सहित सेट के और लोगों के पसंद नहीं थी। इस वजह से डायरेक्टर्स मुझ पर मेल–जोल बढ़ाने के लिए दबाव बनाते थे। जो मुझे पसंद नहीं था।’ अपने इंटरव्यू में सान्वी ने कहा कि ‘सेट पर एक सीन चल रहा था। जिसमें करण को किस करना था। मगर डायरेक्टर के बोलने के पहले ही करण ने किस कर लिया। उनके ऐसा करने के बाद मुझे बहुत गुस्सा आया। मैंने करण को थप्पड़ मार दिया। जिसके बाद वो वहां से चले गए। मगर 10–15 मिनिट बाद वापस लौटे और मुझे एक जोरदार थप्पड़ मारा। इतना ही नहीं उन्होंने मुझे काफी भला बुरा कहा।’ इस हादसे के बाद करण ने कोई सान्वी से कोई माफी नहीं मांगी। मगर एकता कपूर ने उनसे मांफी मांगी। उन्होंने एक्ट्रेस से माफी मांगने के साथ सीरियल के सेट पर वापस आने की गुजारिश की। इसके बाद सान्वी ने उनकी बात मानते हुए सेट पर वापसी कर ली।

फ्राइपेन के जिद्दी दागों की होगी छुट्टी, किचन में रखी ये 4 चीजें चमकाएंगी बर्तन

हर महिला अपना रसोई को एकदम साफ रखना चाहती है लेकिन कई बार पूरी कोशिश करने के बाद भी बर्तनों के जिद्दी दाग नहीं छूट पाते। लाख कोशिश करने के बाद भी यह दाग साफ नहीं होते और बर्तन चिपचिपा सा हो जाता है। उन्हीं बर्तनों में से एक है फ्राइपेन। फ्राइपेन में रोज चाय बनती है। रोज इस्तेमाल होने के कारण कई बार फ्राइपेन का निचला हिस्सा पूरी तरह से जल जाता है। कई बार तो फ्राइपेन के अंदर अजीब सी गंदगी सी जमा होने लगती है जो रगड़ने के बाद भी साफ नहीं होती। ऐसे में आपको आज कुछ ऐसे सिंपल हैक्स बताते हैं जिनके जरिए आप फ्राइपेन के जिद्दी दाग आसानी से साफ कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं इनके बारे में....

सिरका

सिरका भी आप जले हुए बर्तन को साफ करने के लिए प्रयोग कर सकती हैं। सिरका में बेकिंग सोडा मिलाएं। 15–20 मिनट के लिए इसे ऐसे ही रहने दें। तय समय बाद बर्तन धो लें। इसका जिद्दी दाग आसानी से साफ हो जाएगा।

बेकिंग सोडा

चाय का बर्तन साफ करने के लिए बेकिंग सोडा एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। सबसे पहले चाय बनाने वाले बर्तन के चारों ओर बेकिंग सोडा लगाएं। इसके बाद इसे ऐसे ही रहने दें। 25–30 मिनट बाद डिशवॉशर और पानी के साथ इसे साफ कर लें। बर्तन में जमी गंदगी आसानी से निकल जाएगी।

नमक

नमक के साथ भी बर्तन की चिकनाई आसानी से साफ हो जाएगी। जले हुए बर्तन में 2 चम्मच नमक डाल दें। इसके बाद पानी भरकर लिक्विड डिशवॉशर डालें और उसको हल्का सा गर्म कर लें। 1 घंटे तक इस बर्तन को ऐसे ही रहने दें। तय समय बाद बर्तन स्क्रबर के साथ रगड़ें। इस तरह बर्तन आसानी से साफ होने लगेगा।

नींबू

नींबू के साथ जला हुआ बर्तन रगड़ें। इससे बर्तन जल्दी साफ भी होगा और इस पर जमी चिकनाई भी आसानी से साफ होने लगेगी। नींबू काटकर बर्तन पर रगड़ें। इसके बाद इसमें गर्म पानी डालकर छोड़ दें। बर्तन का कालापन भी दूर होगा और चिकनाई भी साफ होने लगेगी।

घर पर बनाएं लजीज गुलाफी कबाब, बस एक खाकर नहीं भरेगा मन

नॉनवेज खाने के शौकीन भारत में तो बहुत हैं। खासकर हर नॉनवेज लवर ने अपनी जिंदगी में कम से कम एक बार कबाब का तो स्वाद जरूर चखा होगा। भट्टी में अच्छी तरह से सिंके हुए चिकन का तीखी चटनी के साथ मजा ही कुछ और है। लेकिन क्या आपने कभी गुलाफी कबाब का स्वाद चखा है, अगर नहीं तो आज वतसक ामइंइ कंल में हम आपको बताते हैं इसकी आसान रेसिपी....

सामग्री

चिकन कीमा– 20 ग्राम
कद्दूकस अदरक– 2 छोटे चम्मच
प्याज कटे हुए

तेल तलने के लिए
धनिया पत्ती – 2 बड़े चम्मच
पिसा लहसुन –1 छोटा चम्मच
पुदीना पत्ती 1–2
हरी मिर्च– 1 छोटा चम्मच
नींबू का रस– 1 छोटा चम्मच
गरम मसाला–) छोटा चम्मच
पिसा काजू– 2 बड़े चम्मच
फेंटा अंडा –2 बड़े चम्मच
भुना बेसन –2 छोटे चम्मच
बनाने की विधि

1. पिसे काजू व बेसन को छोड़कर सारी सामग्री मिक्सी में पीसें।

2. बड़े डोंगे में डालें, पिसे काजू व बेसन डालकर आटा जैसे गूंधें।

3. इनसे 3–3 इंच लंबे कबाब बनाएं, फिर सुनहरे–भूरे होने तक ग्रिल करें।

4. नींबू का रस ऊपर से डालें। आपका गुलाफी कबाब तैयार है।

5. प्याज के छल्ले और हरी चटनी के साथ परोसें।

तेल और सीरम बालों के लिए क्या है ज्यादा फायदेमंद, कहीं आप भी तो नहीं कर रहे यह भूल

बालों में तेल का इस्तेमाल कई सालों से किया जाता रहा है। तेल बालों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। ऑलिव ऑयल से लेकर नारियल तेल तक आप इस्तेमाल कर सकती हैं। आजकल मार्केट में कई तरह के हेयर केयर प्रोडक्ट्स मिल जाएंगे। क्या आप भी अपने बालों में हेयर सीरम का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन बहुत सारे लोग सीरम और हेयर ऑयल के बीच का फर्क नहीं जानते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको हेयर सीरम और हेयर ऑयल के बीच का अंतर बताने जा रहे हैं।

तेल और सीरम में फर्क

अगर आपको लगता है कि तेल और सीरम दोनों एक ही चीज हैं। तो बता दें कि तेल और सीरम दोनों एक चीज नहीं है। तेल और सीरम दोनों अलग प्रोडक्ट हैं। सिर के स्कैल्प पर तेल का इस्तेमाल किा जाता है। यह आपके बालों को नरिशमेंट का काम करता है। वहीं हेयर सीरम का उपयोग बालों पर किया जाता है। सीरम का इस्तेमाल करने से बाहरी तत्वों जैसे धूल, गर्म हवा और प्रदूषण आदि से बालों को प्रोटेक्ट करते हैं।

हेयर सीरम लगाने से होने वाले फायदे

हेयर सीरम लगाने से बालों में शाइन आती है। ऐसे में अगर आपके बालों की शाइन खो गई है, तो हेयर सीरम आपको बालों की खोयी हुई चमक वापस लाने में फायदमंद हो सकता है।

स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल करने पर और बालों की अच्छे से देखभाल न करने पर बाल ड्राई हो जाते हैं। इसलिए बालों मुलायम करने के लिए हेयर सीरम का इस्तेमाल किया जाता है।

अगर आपके बाल भी फ्रिजी रहते हैं तो बालों में सीरम अप्लाई करना चाहिए। इससे बालों की फ्रिजीनेस कम होगा।

हीट डैमेज से बालों के बचाने के लिए सीरम काम आता है। इसलिए बालों को स्टाइल करने से पहले सीरम का इस्तेमाल करना चाहिए।

जरूरत से ज्यादा बालों के उलझने पर आप हेयर सीरम का इस्तेमाल कर सकते हैं। सीरम अप्लाई करने से बाल कम उलझते हैं।

बाजार में आपको बालों से संबंधित अलग–अलग समस्या के लिए सीरम मिल जाएगा। आप अपने हेयर टाइप के हिसाब से सीरम खरीद सकते हैं।

बालों में तेल अप्लाई करने के फायदे

बालों में तेल लगाने से दोमुहे बालों की समस्या नहीं होती है। इसलिए हेयर केयर रूटीन में आपको तेल जरूर शामिल करना चाहिए। बता दें कि अगर आप रोजाना हेयर ऑयलिंग करती हैं, तो इससे बालों का रंग काला होता है। बालों को काला करने के लिए नारियल तेल के इस्तेमाल की सलाह दी जाती है।

तेल बालों की ग्रोथ के लिए भी फायदेमंद होता है। बालों में तेल लगाने से यह बढ़ने लगते हैं।

बालों को हेल्दी और स्ट्रांग बनाए रखने के लिए हेयर ऑयलिंग जरूरी मानी जाती है।

लंबे समय तक फ्रेश रहेंगे टमाटर, ये 4 हैक बनाएंगे टमाटम को सॉफ्ट

टमाटर के बढ़ते दामों ने सबको परेशान कर दिया है। ऐसे में इसके कारण तो कई लोगों ने इसको अपनी डाइट से बाहर निकाल दिया है। परंतु इसके बिना सब्जी का स्वाद नहीं आता। वहीं कुछ लोगों ने टमाटर को एक साथ खरीद कर रख लिया है। लेकिन ज्यादा दिनों तक टमाटर को ऐसे ही रखने के कारण यह खराब होने लगते हैं। इसके अलावा यह कई बार सड़ने भी लगते हैं। ऐसे में खराब होने के कारण इन्हें फेंकना पड़ता है। लेकिन आप टमाटर को कैसे लंबे समय तक फ्रेश रख सकते हैं। आज आपको इसके बारे में बताएंगे तो चलिए जानते हैं.....

धूप में रखें टमाटर

अगर आप टमाटर को धूप में सुखाकर रखते हैं तो भी यह एकदम फ्रेश रहेंगे। सारे टमाटर अच्छी तरह से धोकर दो हिस्सों में काट लें। इसके बाद इनके ऊपर नमक डालें। नमक डालकर टमाटर को 1–2 हफ्ते के लिए धूप में रख दें। जैसे यह सूख जाएं तो इसके बाद इन्हें एक कंटनेर में डाल दें। इस तरह से यह लंबे समय तक फ्रेश रखेंगे।

माइक्रोवेव में रखकर करें ड्राई

इसके अलावा माइक्रोवेव में टमाटर रखकर भी आप इन्हें ड्राई कर सकते हैं। हालांकि ओवन में यह अच्छी तरह ड्राई नहीं होते लेकिन आप इन्हें स्टोर कर सकते हैं। ओवन में रखे हुए सूखे टमाटरों पर ऑलिव ऑयल लगाएं। इसके बाद इन्हें एक कांच के जार में पैक करके फ्रीज में रख दें। जब जरुरत पड़े तो फ्रीजर में से निकालकर इनका इस्तेमाल करें।

फ्रीजर में रखें

टमाटर को लंबे समय तक स्टोर करके रखने के लिए आप इन्हें फ्रीजर में रख सकते हैं लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि इसको स्टोर करते समय ऊपर के हिस्से को काटकर फेंक दें। साबुत टमाटर अगर आप फ्रीज में रखकर स्टोर नहीं करना चाहते हैं तो आप इनको पानी में उबालें। जैसे यह हल्के से ठंडे हो जाएं तो इससे प्यूरी तैयार कर लें। प्यूरी को आप फ्रीजर में रख दें। इससे आपका टमाटर लंबे समय तक फ्रेश रहेगा।

पाउडर बनाकर करें स्टोर

आप चाहें तो टमाटर का पाउडर भी बना सकते हैं। पाउडर बनाने के लिए इन्हें अच्छी तरह धोकर बारीक टुकड़े में काटकर धूप में सुखा लें। फिर दो हफ्ते के बाद इन्हें बेक करें। टमाटरों तो तब तक बेक करें जब तक यह सख्त न हों। सख्त होने पर इनको पीसकर पाउडर तैयार कर लें। पाउडर को कांच के जार में रखें। इस बात का ध्यान रखें कि कांच में पानी न हो।

बारिश में बच्चों को क्या पहनाएं क्या नहीं, यहां जानिए कपड़ों से जुड़ी पूरी गाइड

भारत में मॉनसून खुशी और परेशानी, दोनों ही लेकर आता है। बच्चों को बारिश, पानी के गड्ढे और ठंडी हवा बहुत पसंद होती है, लेकिन गीले जूते, चिपचिपी त्वचा, अचानक होने वाली बारिश और सूखने में बहुत समय लेने वाले कपड़े एक आम दिन को भी लंबा और थकाऊ बना सकते हैं। इसीलिए इस मौसम में कपड़ों का सही चुनाव बहुत जरूरी है। सूती कपड़े (कॉटन) एक समझदारी भरा विकल्प हैं क्योंकि ये हवादार और पसीना सोखने वाले होते हैं। चलिए जानते हैं बारिश के मौसम में बच्चों के लिए कौन से कपड़ें हैं बेस्ट।

कॉटन है पहली पसंद

जब हवा में नमी होती है, तो पसीना सोखने वाले कपड़े बच्चों को असहज कर सकते हैं। गर्मी और नमी वाले मौसम में घमौरियां होने का खतरा ज्यादा होता है और इसका संबंध ा हवा न आने–जाने वाले कपड़ों, टाइट लेयर्स और पसीने के जमा होने से भी होता है। इसीलिए मॉनसून में बच्चों के लिए कॉटन के कपड़े बहुत अच्छे रहते हैं। कॉटन के कपड़े से हवा आसानी से आती–जाती है और यह कई सिंथेटिक मटीरियल की तुलना में नमी को बेहतर तरीके से सोखता है। बच्चों के मॉनसून के कपड़ों को बार–बार धोने की जरूरत होती है क्योंकि वे अक्सर एक ही दिन में कीचड़, पसीने और बारिश के पानी के संपर्क में आ जाते हैं। कॉटन को धोना और सूखने के बाद दोबारा पहनना आसान होता है,।

मानसून के दौरान बच्चों को पहनाएं ये आउटफिट

हल्के कॉटन के टॉप और शर्टः मुलायम कॉटन के टॉप, शर्ट या ट्यूनिक चुनें जो हल्की बारिश के बाद जल्दी सूख जाएं। टाइट फिट के बजाय ढीले फिट वाले कपड़े बेहतर होते हैं क्योंकि उनमें हवा आने–जाने की जगह होती है।

शॉर्ट्स, स्कर्ट सेटः बच्चों के मॉनसून के कपड़ों के लिए, छोटी लंबाई वाले कपड़े और आसानी से पहने जाने वाले बॉटम्स अक्सर उन लंबे कपड़ों से ज्यादा आरामदायक होते हैं जो गीले रास्तों पर घिस सकते हैं। खेलने, दिन में बाहर घूमने या यात्रा के लिए स्कर्ट सेट या शॉर्ट्स सेट एक व्यावहारिक विकल्प हो सकते हैं।

आसानी से धुलने वाले कपड़ेः मानसून के कपड़े ऐसे होने चाहिए जो बहुत नाजुक न हों, बल्कि काम के हों। पहले से धुले हुए, हवादार और आसानी से धुलने वाले कपड़े माता–पिता के लिए जिंदगी आसान बनाते हैं।

लड़के–लड़कियों के लिए बेहतरीन आउटफिट आइडिया

लड़कियों के लिए, कॉटन फैशन भारी महसूस हुए बिना भी शानदार दिख सकता है। अगर आपको परिवार से मिलने, स्कूल इवेंट या त्योहार के लंच के लिए लड़कियों की फॉर्मल ड्रेस चाहिए, तो अच्छी फिनिश और मुलायम लाइनिंग वाली कॉटन ड्रेस या स्कर्ट सेट चुनें। लड़कों के लिए, मैचिंग शॉर्ट्स के साथ कॉटन शर्ट मानसून के लिए बहुत सुरक्षित विकल्प है। बॉयज ब्लू फ्लोरल एम्ब्रॉयडर्ड कॉटन शर्ट और शॉर्ट्स सेट इसका एक आसान उदाहरण है।

मानसून में कपड़े चुनते समय ध्यान में रखें ये बातें

माता–पिता अक्सर सिर्फ आउटफिट पर ध्यान देते हैं, लेकिन छोटी–छोटी बातें भी मायने रखती हैं। इन बातों का ध यान रखें कि जब दिन में उमस हो, तो कड़े सिंथेटिक कपड़ों के बजाय कॉटन चुनें। भारी लेयरिंग से बचें, जब तक कि शाम को मौसम ठंडा न हो। बहुत ज्यादा लेयरिंग से गर्मी अंदर ही रह सकती है। स्कूल आते–जाते समय या किसी ट्रिप पर बैग में एक जोड़ी एक्स्ट्रा कपड़े जरूर रखें। अगर अचानक बारिश हो जाए, तो ये बहुत काम आते हैं। यह सलाह मौसम की नमी और बारिश वाले हालात को ध्यान में रखकर दी गई है।

संक्षिप्त

किसानों को सीधे रियायती उर्वरक, 20 राज्यों के 40 जिलों में पायलट परियोजना शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने किसानों को रियायती उर्वरक सीधे वितरित करने के लिए एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की है। यह पहल 20 राज्यों के 40 जिलों में चरणबद्ध तरीके से चल रही है। शुक्रवार को संसद को इसकी जानकारी दी गई। रसायन और उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने लिखित उत्तर में यह बताया। उर्वरक विभाग और कृषि और किसान कल्याण विभाग इस प्रायोगिक परियोजना को चला रहे हैं। प्रस्तावित प्रणाली के तहत किसान या उनके अधिकृत प्रतिनिधि मोबाइल ऐप के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। वे अपनी भूमि और फसल का विवरण प्रदान कर सकते हैं। साथ ही अपनी उर्वरक आवश्यकताओं को पहले से बुक कर सकते हैं। यह प्रायोगिक परियोजना श्उर्वरक बिक्री के लिए ढांचाश नाम से लागू की गई है। इसे अब तक 20 राज्यों के 40 जिलों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। चिह्नित 40 जिलों में पात्र किसानों को उर्वरक बेचे जा रहे हैं। यह बिक्री उनकी भूमि जोत और बोई गई फसल के आधार पर की जा रही है। राज्य के अधिकारी एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) डैशबोर्ड पर खरीद संबंधी रिपोर्ट देख सकते हैं। यह प्रणाली निगरानी के लिए उपलब्ध है। उर्वरक विभाग ने देश भर में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली लागू की है। इसमें तेलंगाना भी शामिल है। इस प्रणाली के तहत रियायती उर्वरक किसानों को सस्ती कीमतों पर बेचे जाते हैं। बिक्री आधार–आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से होती है। वर्ष 2025–26 के दौरान कुल 746.57 लाख मीट्रिक टन रियायती उर्वरक बेचा गया। यह बिक्री करीब 2.87 लाख सक्रिय खुदरा विक्रेताओं के देशव्यापी नेटवर्क के माध्यम से हुई। इससे 8.4 करोड़ लाभार्थी किसानों को फायदा मिला। केंद्र सरकार ने इस अवधि में 2.17 लाख करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी प्रदान की। डीबीटी प्रणाली रियायती उर्वरकों की बिक्री के लिए 100 फीसदी आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य करती है। समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने मासिक खरीद सीमा तय की है। प्रति खरीदार 50 बोरी की मासिक खरीद सीमा निर्धारित की गई है। हालांकि, तेलंगाना में प्रति एकड़ प्रति खरीदार यूरिया की दो बोरियों की अलग सीमा है। जम्मू और कश्मीर में प्रति खरीदार प्रति मौसम 60 बोरियों तक की अनुमति है। ये सीमाएं किसानों तक उर्वरक की पहुंच सुनिश्चित करती हैं।

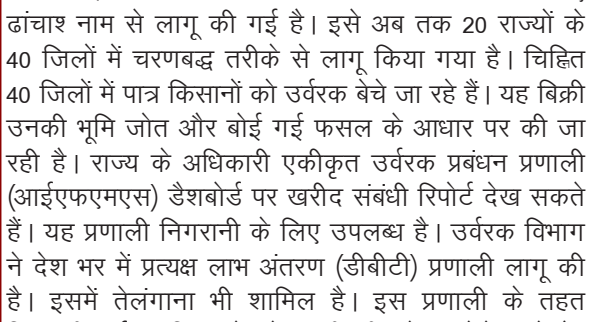

एचएसबीसी पीएमआई का दावा अर्थव्यवस्था प्रभावित

नई दिल्ली,एजेंसी। एचएसबीसी फ्लैश पीएमआई की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2026 में भारत के निजी क्षेत्र की वृद्धि धीमी होकर मार्च 2022 के बाद सबसे कमजोर स्तर पर पहुंच गई है। चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों, प्रतिस्पर्धात्मक दबाव और कमजोर मांग ने कारोबार गतिविधि पर नकारात्मक प्रभाव डाला। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया पीएमआई समग्र उत्पादन सूचकांक जून के 57.1 से गिरकर जुलाई में 54.3 हो गया, जो निजी क्षेत्र की गतिविधि में विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। यह सूचकांक भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के संयुक्त उत्पादन में मासिक बदलाव को मापता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में निजी क्षेत्र की बिक्री और उत्पादन में 2022 की शुरुआत के बाद से सबसे कमजोर विस्तार देखा गया। हालांकि, नई निर्यात ऑर्डर में मजबूत वृद्धि जारी रही और कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्तियां कीं। इनपुट लागत और आउटपुट शुल्क दोनों में तेज दर से वृद्धि हुई। वृद्धि को बढ़ती चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों, प्रतिस्पर्धात्मक दबाव, ऑर्डर रद्द होने, ग्राहक पूछताछ में कमी और प्रमुख कच्चे माल की कमी ने बाधित किया। दूसरे वित्तीय तिमाही की शुरुआत में नए ऑर्डर में वृद्धि जारी रही, लेकिन विस्तार की गति करीब साढ़े चार साल के सबसे कमजोर स्तर पर आ गई। ऐतिहासिक मानकों के अनुसार यह गति मध्यम बनी रही। उत्पादन और नए ऑर्डर की वृद्धि में नरमी मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र के कारण हुई। इस क्षेत्र में विस्तार की गति जून से काफी कम होकर 53 माह के सबसे कमजोर स्तर पर पहुंच गई।

एचएसबीसी फ्लैश पीएमआई रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में निजी क्षेत्र की वृद्धि कई कारकों से प्रभावित हुई। इसमें बढ़ती चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियां और प्रतिस्पर्धात्मक दबाव शामिल हैं। ऑर्डर रद्द होना और ग्राहक पूछताछ में कमी भी वृद्धि में बाधा बनी। इसके अतिरिक्त, प्रमुख कच्चे माल की कमी ने भी कारोबार गतिविधि को धीमा किया। कमजोर घरेलू मांग ने भी निजी क्षेत्र के विस्तार को प्रभावित किया। सेवा क्षेत्र ने निजी क्षेत्र की समग्र वृद्धि में नरमी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस क्षेत्र में विस्तार की गति जून से काफी कम होकर 53 माह के सबसे कमजोर स्तर पर पहुंच गई। इसके विपरीत, विनिर्माण क्षेत्र ने पिछले महीनों में खोई हुई कुछ गति को फिर से हासिल किया। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई के दौरान विनिर्माण और सेवा दोनों कंपनियों ने मजबूत निर्यात वृद्धि दर्ज की। इसमें वस्तु उत्पादक सेवा प्रदाताओं से बेहतर प्रदर्शन कर रहे थे। विनिर्माण क्षेत्र के लिए मौसमी रूप से समायोजित निर्यात सूचकांक में लगभग चार अंकों की वृद्धि हुई। समग्र स्तर पर, अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मार्च के बाद से सबसे तेज गति से वृद्धि हुई। विनिर्माण–विशिष्ट आंकड़ों में कई क्षेत्रों में सुधार दिखा। कंपनियों ने अपनी खरीद गतिविधि बढ़ाई और विक्रेता प्रदर्शन में सुधार से इनपुट स्टॉक में तेजी से वृद्धि हुई। जून में गिरावट के बाद, तैयार माल का स्टॉक भी जुलाई में बढ़ गया। इन सुधारों के बावजूद, एचएसबीसी फ्लैश इंडिया विनिर्माण पीएमआई जुलाई में 54.2 से घटकर 53.9 हो गया। यह समग्र कारखाने की स्थितियों में रुझान से कम सुधार का संकेत देता है।

दिग्गज विश्वनाथन आनंद बने फिडे के अंतरिम अध्यक्षय क्यों मिली जिम्मेदारी

लॉजेन,एजेंसी। भारत के महान शतरंज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (फिडे) का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। रूसी प्रमुख अर्काडी द्वोरकोविच को यूरोपीय संघ (ईयू) की नवीनतम प्रतिबंध सूची में शामिल किए जाने के कारण यह फैसला लिया गया है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यूरोपीय संघ और उसके सहयोगी देशों ने रूस के खिलाफ कई आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंध लगाए हैं। अब ईयू ने प्रतिबंधों का 21वां पैकेज जारी किया है। इसमें 48 लोगों और 170 संस्थाओं सहित कुल 218 नए नाम जोड़े गए हैं। युद्ध शुरू होने के बाद यह अब तक की सबसे बड़ी प्रतिबंध सूची मानी जा रही है। इन प्रतिबंधों के तहत संबंधित लोगों की संपत्तियां फ्रीज की जा सकती हैं। उन्हें आर्थिक मदद या अन्य संसाधन उपलब्ध कराने पर रोक लगाई जाती है। इसके साथ ही उन पर यात्रा संबंधी प्रतिबंध भी लागू हो सकते हैं। प्रतिबंध सूची में नाम आने के बाद अर्काडी द्वोरकोविच ने कहा कि वह इस फैसले को गैर–कानूनी और गलत मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस फैसले को कानूनी तरीके से चुनौती देंगे और उन्हें भरोसा है कि आखिरकार उन्हें न्याय मिलेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि जब तक यह मामला कानूनी रूप से साफ नहीं हो जाता, तब तक उनके खिलाफ लगे प्रतिबंध फिडे के कामकाज में परेशानी पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने स्वेच्छा से फिडे अध्यक्ष के रूप में अपनी सभी शक्तियों और जिम्मेदारियों को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि जब तक उन पर ईयू और स्विट्जरलैंड के नियमों के तहत प्रतिबंध लागू रहेंगे, तब तक वह अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे।

फिडे के नियमों के अनुसार, ऐसी स्थिति में डिप्टी प्रेसिडेंट अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हैं। इसी प्रावधान के तहत विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। अब वह तब तक फिडे का नेतृत्व करेंगे, जब तक द्वोरकोविच पर लगे प्रतिबंध हट नहीं जाते या स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता। फिडे काउंसिल ने भी द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दे दी है। संगठन ने अपने बयान में कहा कि प्रतिबंध लागू रहने तक द्वोरकोविच फिडे के अध्यक्ष के रूप में मिलने वाले किसी भी अधिकार, जिम्मेदारी या विशेषाधिकार का इस्तेमाल नहीं करेंगे। वह संगठन या उसकी संपत्तियों पर किसी तरह का नियंत्रण भी नहीं रखेंगे। विश्वनाथन आनंद दुनिया के सबसे सफल शतरंज खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने भारत में शतरंज को नई पहचान दिलाई और कई युवा खिलाड़ियों को इस खेल की ओर प्रेरित किया। वह 2022 से फिडे के उपाध्यक्ष हैं और अब उन्हें अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दिलचस्प बात यह है कि पिछले महीने ही द्वोरकोविच ने सितंबर में होने वाले फिडे अध्यक्ष पद के चुनाव में लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी। वहीं, विश्वनाथन आनंद ने साफ किया है कि वह अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि उपाध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार होंगे। फिडे अध्यक्ष पद के चुनाव सितंबर में उज्बेकिस्तान में होने वाले 46वें शतरंज ओलंपियाड के दौरान आयोजित जनरल असेंबली में होंगे। इस चुनाव में कजाकिस्तान शतरंज महासंघ के अध्यक्ष तिमुर तुरलोव भी अध्यक्ष पद के उम्मीदवार हैं। ऐसे में आने वाले महीनों में फिडे के नेतृत्व को लेकर अहम फैसले देखने को मिल सकते हैं।

क्या गौतम गंभीर की रणनीति में है बड़ी खामी ? रविचंद्रन अश्विन ने राहुल द्रविड़ से की तुलना

नई दिल्ली,एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में मिली हार के बाद टीम इंडिया की तैयारियों पर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी के लिए टीम में स्पष्ट रणनीति की जरूरत है। उन्होंने मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर के दृष्टिकोण की तुलना पूर्व कोच राहुल द्रविड़ से करते हुए कहा कि मौजूदा टीम प्रबंधन बिट्स एंड पीसेज खिलाड़ियों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा कर रहा है। अश्विन ने कहा कि 2023 विश्व कप में हार्दिक पांड्या के चोटिल होने के बाद भी राहुल द्रविड़ और टीम प्रबंधन ने घबराहट नहीं दिखाई। उन्होंने टीम संयोजन में स्पष्टता बनाए रखी और पांच गेंदबाजों के साथ फाइनल तक का सफर तय किया। अश्विन ने कहा, अगर हार्दिक नहीं हैं तो नितीश कुमार रेड्डी, फिर शिवम दुबे का नाम आता है। लेकिन जो खिलाड़ी उपलब्ध ही नहीं हैं, उनके बारे में बार–बार बात करने का कोई मतलब नहीं है। 2023 विश्व कप में हार्दिक के चोटिल होने के बाद टीम ने छठे गेंदबाज की तलाश में भटकने के बजाय पांच गेंदबाजों के साथ अलग रणनीति अपनाई। इससे टीम में स्पष्टता बनी रही और भारत फाइनल तक पहुंचा।

अश्विन का मानना है कि मौजूदा टीम प्रबंधन विशेषज्ञ खिलाड़ियों की बजाय ऐसे क्रिकेटरों पर अधिक भरोसा कर रहा है जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में थोड़ा–थोड़ा योगदान देते हैं। उन्होंने कहा, बिट्स एंड पीसेज खिलाड़ियों को लेकर मौजूदा टीम प्रबंधन का आकर्षण काफी ज्यादा रहा है। शायद यही वजह है कि टेस्ट क्रिकेट में भी हमें संघर्ष करना पड़ा, क्योंकि वहां विशेषज्ञ खिलाड़ियों की जरूरत होती है। टीम प्रबंधन को ऐसे खिलाड़ियों को प्राथमिकता देनी चाहिए जो बल्ले और गेंद दोनों से अकेले मैच जिताने की क्षमता रखते हों। अश्विन ने सुझाव दिया कि भारत को अब खिलाड़ियों के चयन को लेकर भ्रम खत्म करना होगा। उन्होंने कहा कि अगले 14 महीनों के लिए 17–18 खिलाड़ियों का एक निश्चित समूह तय कर देना चाहिए और उसी में खिलाड़ियों को घुमाकर सर्वश्रेष्ठ संयोजन तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा, श्सबसे पहले चयन को लेकर स्पष्टता होनी चाहिए। 17–18 खिलाड़ियों का एक पूल तय कर दीजिए और उन्हें बता दीजिए कि अगले 14 महीनों तक विश्व कप की टीम इसी समूह से चुनी जाएगी।

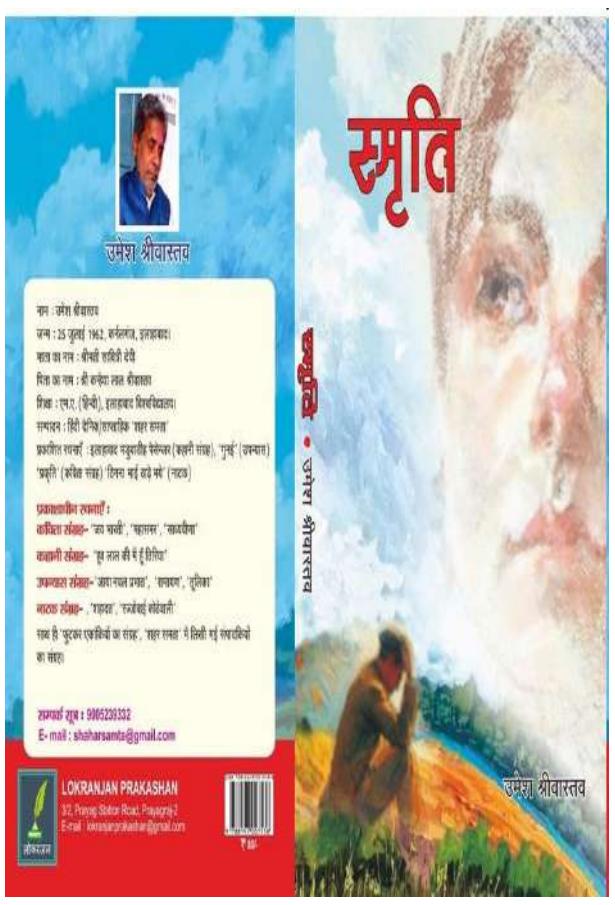

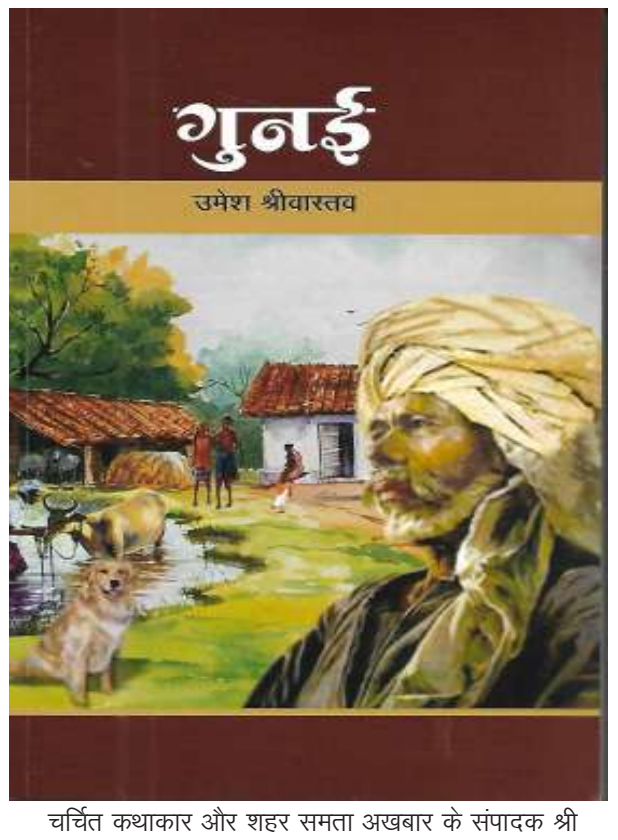

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

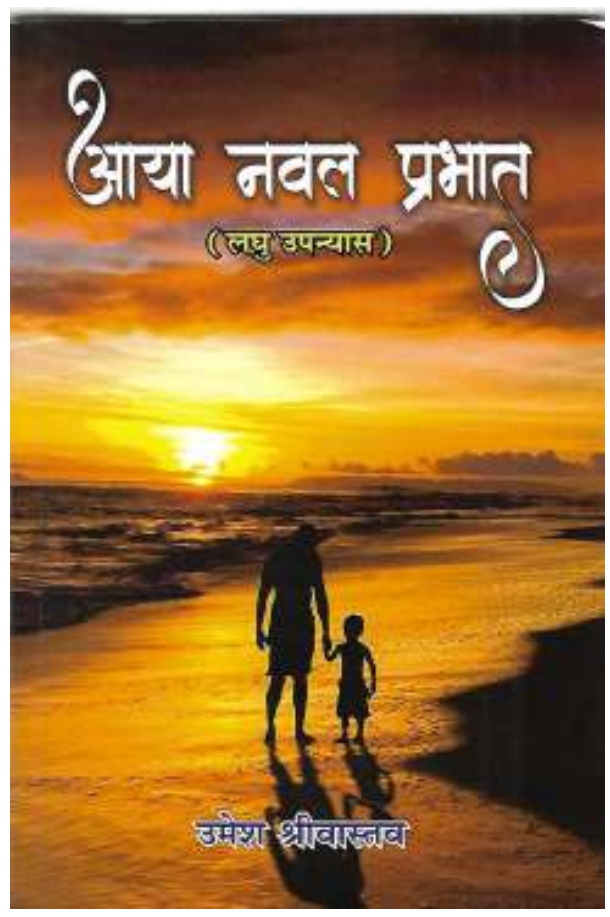

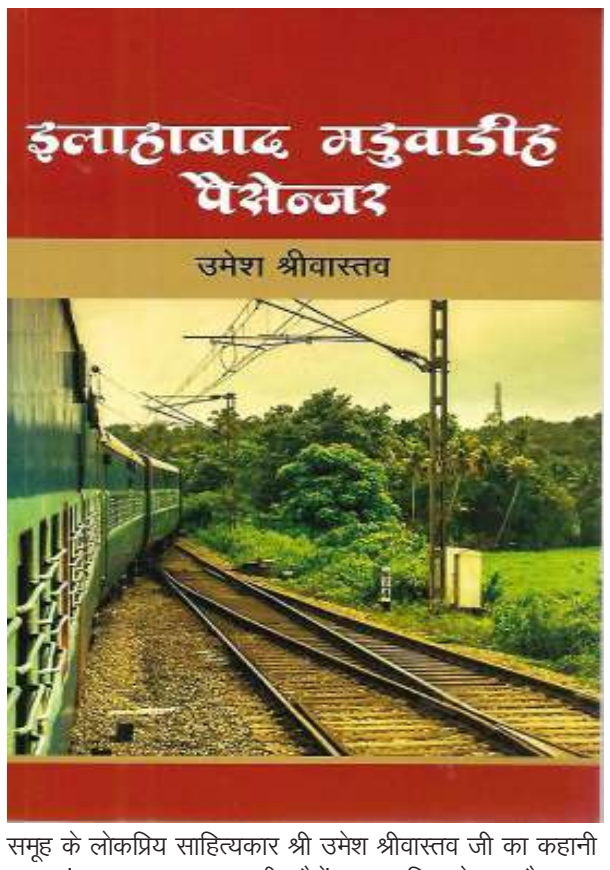

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

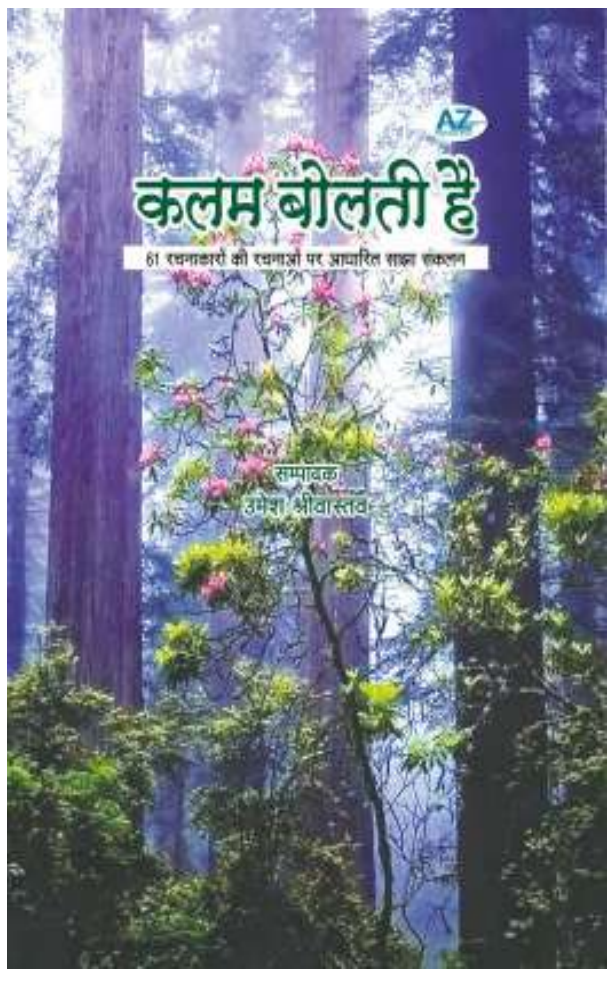

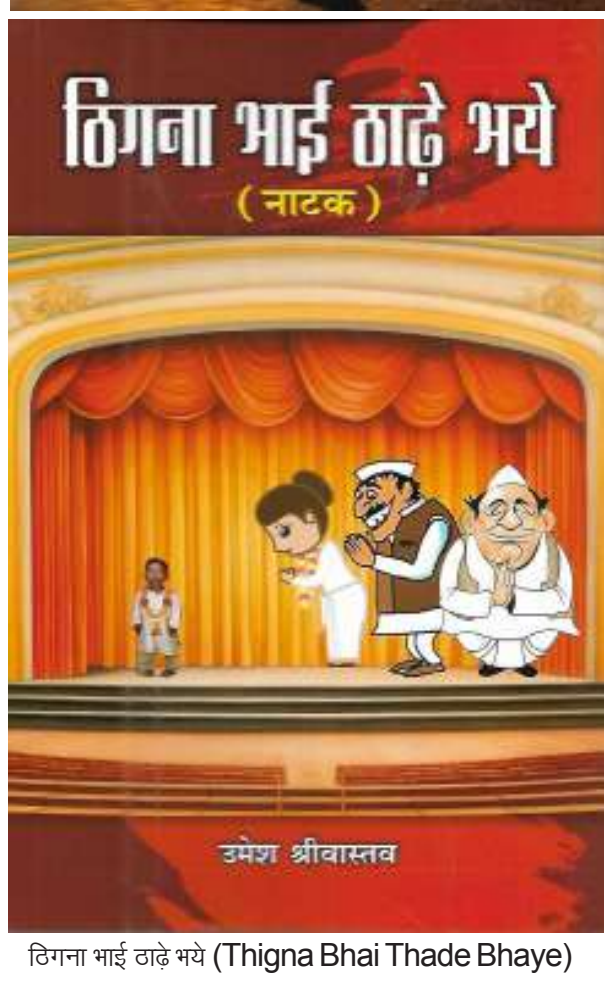

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

'ईरान पर होगा सबसे बड़ा हमला': अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की खुली चेतावनी, क्या फिर शुरु होगा विनाशकारी युद्ध?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध के बादल एक बार फिर काले और गहरे हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर एक और बेहद बड़ा सैन्य

हमला करने का मन बना रहे हैं। ट्रंप ने खुद इसका खुलासा एक हालिया इंटरव्यू में किया है। उन्होंने साफ कहा कि यह हमला इस साल की शुरुआत में चलाए गए श्ऑपरेशन एपिक फ्यूरीश से भी कहीं ज्यादा भयानक और बड़ा हो सकता है। क्या ईरान को सबक सिखाने की पूरी तैयारी है? एक्सियोसश को दिए इंटरव्यू में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े हमले के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि आखिरी और आधिकारिक फैसला लेना अभी बाकी है। दूसरी तरफ, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि सेना को अभी तक कोई नई आधिकारिक गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। ट्रंप ने यह भी कहा कि मैं एक बहुत बड़े हमले पर विचार कर रहा हूं। यह पहले के किसी भी हमले से बहुत बड़ा होगा। मैं फैसला लेने के बहुत करीब हूं। हमारी तैयारियां पूरी तरह से पुख्ता हैं। क्या फिर शुरू होगा विनाशकारी युद्ध का दौर? ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो इस्राइली सेना तुरंत इस मिशन में शामिल हो सकती है। लेकिन अमेरिका को ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए किसी दूसरे देश की मदद की जरूरत नहीं है। राजनीतिक जानकारों और मध्यस्थों के अनुसार, ट्रंप का मानना है कि ईरानी अधिकारियों को जब तक पूरी तरह से दर्द महसूस नहीं होगा, तब तक वे झुकेंगे नहीं। ईरान ने बातचीत की मेज पर दिए गए ताजा समझौते के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है। मध्यस्थता में जुटे सूत्रों का कहना है कि वे लगातार कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ईरान की तरफ से कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। तनाव के पीछे क्या हैं पांच बड़ी बातें? ऑपरेशन एपिक फ्यूरी का असररू इसी साल फरवरी में अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर संयुक्त हमला किया था। इसके जवाब में ईरान ने भी खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागी थीं। समझौता नाकामरू पाकिस्तान की मध्यस्थता से पिछले महीने शांति समझौता हुआ था, लेकिन होर्मुज में फिर से झड़पें शुरू हो गईं। हुती विद्रोहियों को सीध ाा अल्टीमेटमरू ट्रंप ने श्ट्रुथ सोशलश पर स्पष्ट चेतावनी दी कि लाल सागर में समुद्री जहाजों पर होने वाले हर हुती हमले के लिए ईरान को सीधे तौर पर जिम्मेदार माना जाएगा। ईरान पर भारी सैन्य दंडरू ट्रंप ने कहा कि ईरान और हुती विद्रोहियों, दोनों को ही इसकी बहुत बड़ी सैन्य सजा भुगतनी पड़ेगी। कूटनीति से दूर होता समाधानरू ईरान का शांति प्रस्ताव ठुकराना अब सीधे तौर पर सैन्य टकराव को न्योता दे रहा है।

रक्षा मंत्रालय के अलावा कुछ नहीं: फेडोरोव ने ठुकराया जेलेंस्की का ऑफर, यूक्रेन सरकार में बढ़ा टकराव

यूक्रेन के बर्खास्त रक्षा मंत्री मिखाइलो फेदोरोव ने गुरुवार को राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया, जिसमें उन्हें सरकार में किसी दूसरी भूमिका में लौटने का आग्रह किया गया था। फेदोरोव ने साफ कहा कि रूस के चार साल से अधिक समय से जारी युद्ध के बीच वह केवल रक्षा मंत्री के पद पर रहकर ही देश की प्रभावी सेवा कर सकते हैं। आखिर फेदोरोव को क्यों हटाया गया था? मिखाइलो फेदोरोव को पिछले सप्ताह महज छह महीने तक रक्षा मंत्री रहने के बाद पद से हटा दिया गया था। वह सेना के आध ुनिकीकरण, युद्ध में अत्याधुनिक तकनीक के इस्तेमाल और सैन्य खरीद प्रणाली में भ्रष्टाचार पर कार्रवाई के कारण यूक्रेन में एक युवा और लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे थे। उनकी बर्खास्तगी पर विवाद क्यों हुआ? फेदोरोव की विदाई के बाद पूरे यूक्रेन में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इन प्रदर्शनों ने राष्ट्रपति जेलेंस्की पर दबाव बढ़ाया, जबकि मॉस्को के अधि ाकारियों ने इस घटनाक्रम पर संतोष जताया। फेदोरोव ने रक्षा मंत्रालय को इतना अहम क्यों बताया? फेदोरोव ने अपने बयान में कहा कि रक्षा मंत्रालय उन केवल तीन पदों में शामिल है जो वास्तव में युद्ध की दिशा तय करते हैं। उनके अनुसार, बाकी दो पद राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों के प्रमुख के हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह रक्षा मंत्री के अलावा कोई दूसरा पद स्वीकार नहीं करेंगे। इसे जेलेंस्की के प्रस्ताव के खिलाफ उनके स्पष्ट और सख्त रुख के रूप में देखा जा रहा है। जेलेंस्की ने उन्हें कौन–सा नया पद देने की पेशकश की थी?

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने फेदोरोव को सैन्य नवाचार (मिलिट्री इनोवेशन) के लिए उपप्रधानमंत्री का पद संभालने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन फेदोरोव ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। रक्षा मंत्रालय में उनका अधूरा मिशन क्या था? फेदोरोव ने कहा कि वह रक्षा मंत्रालय में शुरू किए गए अपने सुधारों को पूरा करना चाहते थे, लेकिन सेना प्रमुख ओलेक्सांद्र सिर्स्की के साथ संबंध बिगड़ने के बाद उनका कार्यकाल बीच में ही समाप्त हो गया। सिर्स्की को सोवियत दौर की सैन्य सोच का प्रतिनिधि माना जाता है। उन्होंने दूसरे पद को क्यों नकार दिया?

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

अमेरिका ने फिर फोड़ा टैरिफ बम: भारत समेत 17 देशों पर लगाया 10 फीसदी शुल्क, क्या पाकिस्तान का नाम भी है शामिल ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने जबरन श्रम से बने उत्पादों के आयात पर कार्रवाई करते हुए भारत सहित 17 देशों से आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने शुक्रवार को 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत 60 देशों पर नए शुल्क की घोषणा की। यह फैसला सभी देशों पर लगाए गए अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क की अवधि समाप्त होने से एक दिन पहले लिया गया। यूएसटीआर के बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर जैमीसन ग्रीर ने उन 60 अर्थव्यवस्थाओं पर अंतिम कार्रवाई की है, जिन्होंने जबरन श्रम से बने उत्पादों के आयात पर प्रभावी रोक लगाने और उसे लागू करने में विफलता दिखाई है। ग्रीर ने कहा, ष्यह कदम मानवाधिकारों के उल्लंघन और व्यापार में पैदा हुई विकृतियों को दूर करने की दिशा में है, ताकि दुनिया भर के श्रमिकों के हितों की रक्षा की जा सके। सूची में शामिल कौन–कौन से देश? 10 प्रतिशत शुल्क भारत, कनाडा, ब्रिटेन, बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत 17 देशों पर लागू होगा। इससे पहले प्रस्तावित सूची में भारत को 12.5 प्रतिशत शुल्क वाले देशों की श्रेणी में रखा गया था। इस संबंध में जारी संघीय नोट में कहा गया कि जून में प्रस्तावित शुल्क की घोषणा के बाद भारत ने जबरन श्रम से बने उत्पादों के आयात पर रोक लगाने का फैसला किया। 14 जून को भारत ने अपनी विदेश व्यापार नीति में संशोधन कर जबरन श्रम से तैयार वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। ट्रंप प्रशासन ने ये दोनों जांच उस समय शुरू की थीं, जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में पिछले वर्ष लगाए गए ष्पारस्परिक शुल्क (रिसिप्रोकल टैरिफ)ष को आपातकालीन शक्तियों के तहत अवैध करार दिया था। इसके बाद प्रशासन ने सभी देशों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाया था, जिसकी अवधि शुक्रवार को समाप्त हो रही है। भारत ने जताई आपत्ति भारत ने यूएसटीआर की दोनों जांचों पर आपत्ति जताई है और कहा है कि इन मुद्दों पर दोनों देशों के बीच चल रही द्विपक्षीय व्यापार समझौता वार्ता के दौरान चर्चा की जा सकती है। अमेरिका भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और भारतीय निर्यात का सबसे बड़ा बाजार है। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में दोनों देशों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 141 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें भारत का निर्यात 87.3 अरब अमेरिकी डॉलर का था।

न्यूयॉर्क में दो लोगों पर चाकू से हमला: एक एशियाई शामिल, पुलिस और ममदानी ने क्यों जताई हेट क्राइम की आशंका ?

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के मैनहैटन के अपर वेस्ट साइड इलाके में दो अलग–अलग घटनाओं में दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने राउल मोरालेस को दोनों मामलों में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि जांच अधिकारी हमलों के पीछे की वजह की जांच कर रहे हैं। इसमें यह भी देखा जा रहा है कि क्या यह नफरत फैलाने वाले अपराध का मामला है। पुलिस आयुक्त टिश ने क्या बताया? न्यूयॉर्क शहर की पुलिस आयुक्त जेसिका एस टिश ने गुरुवार (स्थानीय समय) को जारी बयान में कहा कि दोनों पीड़ितों (एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति) को माउंट सीनाई सेंट ल्यूक्स अस्पताल ले जाया गया है। दोनों के ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, आज दोपहर अपर वेस्ट साइड में दो अलग–अलग हमलों में दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। दोनों पीड़ित को माउंट सीनाई सेंट ल्यूक्स अस्पताल ले जाया गया है और दोनों के बचने की उम्मीद है। पुलिस आयुक्त ने कहा, न्यूयॉर्क पुलिस ने दोनों हमलों के मामले में राउल मोरालेस (51 वर्षीय) को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की तलाश नहीं की जा रही है। टिश ने कहा कि पीड़ितों और चश्मदीदों के बयानों के अनुसार, मोरालेस ने दोनों हमलों के दौरान श्अल्लाहु अकबरश चिल्लाया था। न्यूयॉर्क पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह नफरत फैलाने वाला अपराध हो सकता है। पुलिस आयुक्त ने यह भी कहा कि विभाग के दस्तावेजों में आरोपी के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा कोई पुराना मामला नहीं है। हालांकि, शुरुआती जांच से संकेत मिले हैं कि मानसिक स्वास्थ्य इस घटना का एक कारण हो सकता है।

पुलिस ने कहा कि अब तक जांच में आरोपी और दोनों पीड़ितों के बीच या दोनों पीड़ितों के बीच आपसी संबंध का कोई सबूत नहीं मिला है। टिश ने एक आम नागरिक और पुलिसकर्मियों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि एक साहसी नागरिक ने पुलिस को उस जगह तक पहुंचाया, जहां आरोपी छिपा हुआ था। इसके बाद पुलिस ने बिना किसी और के घायल हुए उसे पकड़ लिया। मेयर ममदानी ने क्या कहा? न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्हें हमले की जानकारी दे दी गई है और उन्हें राहत है कि दोनों पीड़ितों की हालत स्थिर है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, आज अपर वेस्ट साइड में हुए इस खौफनाक चाकू के हमले की मुझे जानकारी दी गई है, जिसमें एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति पर हमला किया गया। पीड़ितों और चश्मदीदों के अनुसार, आरोपी ने दोनों हमलों के दौरान श्अल्लाहु अकबरश चिल्लाया था। मुझे राहत है कि दोनों पीड़ितों की हालत स्थिर है। मेयर ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस ने दोनों हमलों के मामले में राउल मोरालेस को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि शुरुआती जांच से लगता है कि मानसिक स्वास्थ्य भी एक कारण हो सकता है और अधिकारी इस मामले को नफरत फैलाने वाले अपराध के रूप में भी जांच रहे हैं। ममदानी ने कहा, इस तरह के नफरत भरे और घृणित हमलों के लिए हमारे शहर में कोई जगह नहीं है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और अधिकारी हमलों की असली वजह का पता लगाने में जुटे हैं।

ट्रंप के नए टैरिफ से कनाडा पर कितना पड़ेगा असर, क्या बोले कार्नी, सरकार की जवाब देने की कैसी तैयारी ?

वैंकूवर, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को कहा कि कनाडा, अमेरिका के साथ एक व्यापक व्यापार समझौता करने के लिए बातचीत तेज कर रहा है। लेकिन अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा के सामान पर 50 फीसदी नये टैरिफ

लगाने की धमकी लागू होती है, तो कनाडा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। ट्रंप ने सोमवार को नए टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। ये टैरिफ 1 अगस्त से लागू होने वाले हैं। मार्क कार्नी ने क्या कहा? पीएम कार्नी ने प्रिंस एडवर्ड आइलैंड के चार्लेटटाउन में कनाडा के प्रांतों और क्षेत्रों के नेताओं से मुलाकात की। इसके बाद कार्नी ने कहा, अगर ये टैरिफ या कोई और कदम लागू होते हैं, तो हमारे पास जवाब देने के कई विकल्प मौजूद हैं। कार्नी ने कहा कि अगर टैरिफ लागू होने से पहले कोई समझौता नहीं हो पाता, तो श्हर विकल्प खुला है। उन्होंने कहा, हमें पहले से जवाब देने की जरूरत नहीं है। इस समय पहले से जवाब देना उल्टा नुकसान पहुंचा सकता है। कार्नी ने कहा कि हो सकता है अमेरिका टैरिफ लगाने की धमकी का इस्तेमाल बातचीत में दबाव बनाने के लिए कर रहा हो। उन्होंने कहा, हमने देखा है कि अमेरिका की कई व्यापार वार्ताओं में एक तय समय सीमा होती है। आमतौर पर उस समय सीमा के साथ बहुत बड़ा टैरिफ लगाने की चेतावनी भी जुड़ी होती है। कार्नी का मानना है कि अमेरिका के अधिकारी व्यापार समझौता करने के इच्छुक हैं। प्रिंस एडवर्ड आइलैंड के प्रधानमंत्री रॉब लैंट्ज ने कहा कि सभी प्रांत और केंद्र सरकार एकजुट हैं। उन्होंने कहा, हमें पूरे कनाडा की एकजुट रणनीति अपनानी होगी। जब प्रांत, क्षेत्र और केंद्र सरकार मिलकर काम करते हैं, तब कनाडा सबसे मजबूत होता है। कार्नी ने कहा कि कनाडा अपनी अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेगा तथा उसे अधिक विविध बनाएगा। उन्होंने कहा, इन बातचीत का जो भी नतीजा हो, कनाडा अपने को मजबूत बनाने और कनाडाई परिवारों, कर्मचारियों, किसानों और कारोबारों का समर्थन करने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि कनाडा अमेरिका के अलावा दूसरे देशों के साथ भी व्यापारिक संबंध मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। कार्नी ने कहा, हम विदेशों में अपने व्यापारिक साझेदारों की संख्या बढ़ा रहे हैं। किन उत्पादों पर लगेंगे नए टैरिफ? नए टैरिफ कई तरह के सामान पर लगाए जाएंगे। इनमें शहद, शराब, सीमेंट, डेयरी उत्पाद, लकड़ी से बने कुछ सामान, हॉकी स्टिक और अन्य वस्तुएं शामिल हैं। हालांकि, ऊर्जा उत्पाद, पोटाश, मछली और महत्वपूर्ण खनिजों को इससे बाहर रखा गया है। लेकिन जिन सामानों को पहले अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा के व्यापार समझौते के तहत टैरिफ से छूट मिली हुई थी, वे अब इस नए टैरिफ के दायरे में आएंगे। वर्ष 2020 का यह व्यापार समझौता अमेरिका ने आगे नहीं बढ़ाया, जिसके कारण नई व्यापार वार्ताएं शुरू हुई हैं। ये बातचीत वर्ष 2036 तक चल सकती है। कितना असर पड़ेगा? कनाडा के बड़े वित्तीय संस्थानों में से एक के विश्लेषण के अनुसार, इन नए शुल्कों का असर हर साल अमेरिका भेजे जाने वाले लगभग 28 अरब कनाडाई डॉलर के कनाडाई निर्यात पर पड़ेगा। यह अमेरिका की ओर से कनाडा से हर साल आयात किए जाने वाले कुल सामान का का करीब पांच फीसदी है। विश्लेषण में कहा गया है कि सीधे व्यापार पर असर के अलावा बढ़ती अनिश्चितता से कारोबारियों का भरोसा कमजोर हो सकता है।

राष्ट्रपति रहते ट्रंप हुए ज्यादा अमीर: आखिर किन चीजों ने बढ़ाई दौलत? कुल कितने अरब डॉलर पहुंची संपत्ति?

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वित्तीय लेनदेन और लगातार बढ़ती निजी संपत्ति एक बार फिर वैश्विक बहस का विषय बन गई है। सामने आई जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ट्रंप की कुल संपत्ति में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। इस तेज उछाल के पीछे क्रिप्टोकरेंसी (डिजिटल मुद्रा) में निवेश और विदेशी बाजारों से हुई कमाई को प्रमुख वजह माना जा रहा है। कितनी बढ़ी ट्रंप की संपत्ति? फोर्ब्स की अरबपतियों की आधिकारिक सूची के अनुसार, वर्ष 2017 में डोनाल्ड ट्रंप की कुल संपत्ति 3.5 अरब डॉलर (करीब 29,225 करोड़ रुपये) थी। वहीं, मार्च 2026 में जारी फोर्ब्स के ताजा मूल्यांकन के मुताबिक उनकी संपत्ति बढ़कर 6.5 अरब डॉलर (करीब 62,917.5 करोड़ रुपये) पहुंच गई। यानी छह वर्षों में उनकी संपत्ति में लगभग तीन अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई। क्रिप्टो कारोबार से कितनी हुई कमाई? जून 2026 में जारी ट्रंप की 927 पन्नों की अनिवार्य सरकारी वित्तीय रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पिछले एक वर्ष में केवल क्रिप्टो से जुड़े कारोबार और निवेश के जरिए ही 1.4 अरब डॉलर से अधिक की आय अर्जित की। रिपोर्ट से यह संकेत मिलता है कि डिजिटल परिसंपत्तियों में उनके निवेश ने उनकी कुल संपत्ति बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई है। क्या राष्ट्रपति पद और कारोबारी हितों के टकराव पर उठे सवाल? रिपोर्ट में विस्तार से यह विश्लेषण किया गया है कि ट्रंप की संपत्ति में आई यह अप्रत्याशित बढ़ोतरी केवल बाजार की सामान्य तेजी और उनकी कारोबारी समझ का परिणाम है या फिर राष्ट्रपति के रूप में लिए गए फैसलों और सरकारी नीतियों का भी इसमें कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव रहा है। इसी वजह से उनके वित्तीय हितों और संवैधानिक जिम्मेदारियों के बीच संभावित टकराव को लेकर बहस तेज हो गई है। जनता की चिंता क्यों बढ़ रही है? रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद अमेरिका के साउथ जर्सी, कंबरलैंड और केप मे काउंटी समेत कई इलाकों के मतदाताओं ने इस मुद्दे पर चिंता जताई है। आलोचकों का कहना है कि सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के निजी वित्तीय हितों और सरकारी निर्णयों के बीच पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत ने यूएन में लगाई पाकिस्तान को लताड़, कहा- PoK में कश्मीरियों के दमन की गवाह है पूरी दुनिया

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत ने पाकिस्तान के कश्मीर मुद्दा उठाने पर कड़ा जवाब दिया। भारत ने कहा कि

पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भ्रामक प्रचार करने के बजाय अपने देश और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हो रहे दमन पर ध्यान देना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में ष्विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के तंत्र को मजबूत करनेष विषय पर आयोजित खुली बहस में भारत का पक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने कहा, ष्पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर में हालिया घटनाक्रम पाकिस्तान की वास्तविकता को उजागर करते हैं।ष भारत ने पाकिस्तान को जमकर सुनाया राजदूत पी. हरीश ने आगे कहा, ष्पूरी दुनिया पीओके में कश्मीरियों के बुनियादी अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संगठन बनाने की आजादी के लगातार दमन की गवाह है। यह कोई अलग–थलग घटनाएं नहीं हैं, बल्कि करीब आठ दशकों से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अपनाई जा रही एक व्यापक नीति का हिस्सा हैं। यही स्थिति पाकिस्तान के अन्य क्षेत्रों में भी देखने को मिलती है। उन्होंने पाकिस्तान की आंतरिक राजनीतिक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि वहां लोकतांत्रिक संस्थाएं लगातार कमजोर हुई हैं। उन्होंने कहा, ष्पूर्व प्रधानमंत्री सहित कई नेताओं की गिरफ्तारी, मुख्य विपक्षी दल को चुनावी प्रक्रिया से बाहर करना, 27वें संविधान संशोधन के जरिए सेना का संवैधानिक हस्तक्षेप और ऐसे अन्य कदमों ने लोकतंत्र की बची–खुची व्यवस्था को भी कमजोर कर दिया है। भ्रामक प्रचार बंद करे पाकिस्तान रू पी. हरीश भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, ष्पाकिस्तान को चाहिए कि वह ध ार्मिक भावनाओं का सहारा लेकर झूठा प्रचार करने और संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को गुमराह करने के बजाय अपने देश की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान दे।ष भारत ने यह भी कहा कि अन्य देशों में इस तरह की घटनाओं पर संयुक्त राष्ट्र तीखी प्रतिक्रिया देता है, लेकिन पाकिस्तान में हो रहे ऐसे दमन पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता, जितना दिया जाना चाहिए। जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा रू स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की ओर से कश्मीर मुद्दा उठाने को वैश्विक मंच का दुरुपयोग बताया। उन्होंने कहा, ष्जम्मू–कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा। यह भारत की संवैधानिक और कानूनी वास्तविकता है, जिसे पाकिस्तान जानबूझकर नजरअंदाज करता है।

सऊदी अरब के परमाणु समझौते में हुई इस्राइल की एंट्री, ट्रंप ने कौन सी नई शर्तें रख दीं?

अमेरिका और सऊदी अरब के बीच हुए परमाणु समझौते को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता केवल ऊर्जा और अन्य असैन्य जरूरतों के लिए है, लेकिन इसकी एक महत्वपूर्ण शर्त यह भी है कि सऊदी अरब को अब्राहम समझौते के तहत इस्राइल के साथ अपने संबंध सामान्य करने होंगे। ट्रंप ने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।